सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

बांग्लादेश में रह रहे हिन्दुओं को अपनी नहीं भारत सरकार से उमीद... पेज: 7

तारा सुतारिया के खिलाफ चलाया गया नेगेटिव कैंपेन? पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 264 | शनिवार 03 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

रविवार को पेश होगा देश का आम बजट? वित्त मंत्री की चल रही है बड़ी तैयारी

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय बजट 2026 1 फरवरी को पेश होने की उम्मीद है, जो रविवार को पड़ रहा है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। हालांकि संसद के बजट सत्र की तारीखें अभी औपचारिक रूप से घोषित नहीं हुई हैं, फिर भी सरकार द्वारा कार्यक्रम में बदलाव की संभावना कम है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार आठवां केंद्रीय बजट पेश करेंगी, जो स्वतंत्रता के बाद का 80वां बजट भी होगा। रिपोर्ट के अनुसार, वार्षिक बजट तैयारियों में तेजी से प्रगति हो रही है और 1 फरवरी को इसे पेश किया जाएगा। परंपरा के अनुसार, केंद्रीय बजट हर साल 1 फरवरी को पेश किया जाता है ताकि वित्तीय वर्ष की शुरूआत से ही संसदीय समीक्षा और कार्यान्वयन के लिए पर्याप्त समय मिल सके। सप्ताहांत पर बजट पेश करना कोई नई बात नहीं होगी।

केरल नए सवेरे के लिए तैयार, फिक्स्ड मैच वाली राजनीति जल्द खत्म होगी, पीएम मोदी ने बताया बीजेपी का भविष्य प्लान

नई दिल्ली एजेंसी: तिरुवनंतपुरम में हाल ही में हुए नगर निकाय चुनावों में मिली जीत को केरल में बड़े चुनावी विस्तार के लिए एक लॉन्चपैड के तौर पर पेश करने की बीजेपी की चुनावी रणनीति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए चुने गए मेयर को लिखे पत्र से बड़ा बढ़ावा मिला है। वीवी राजेश को लिखे पत्र में मोदी ने केरल के विरोधी राजनीतिक मोर्चों -- सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाले लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) -- पर तीखा हमला बोला और उन पर राज्य में "फिक्स्ड मैच" खेलने का आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि तिरुवनंतपुरम नगर निकाय में बीजेपी की पहली जीत के बाद यह व्यवस्था खत्म होने वाली है। प्रधानमंत्री ने लिखा, "एलडीएफ और यूडीएफ का फिक्स्ड मैच -- दिल्ली में दोस्त और केरल में दुश्मन -- अब खत्म होने वाला है। केरल उनके झूठे वादों से आजाद होना चाहता है।" सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाला एलडीएफ अभी राज्य में सरकार चला रहा है, जबकि कांग्रेस यूडीएफ का नेतृत्व करती है। केरल में राजनीतिक विरोधी होने के बावजूद, ये दोनों राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन के तहत सहयोगी हैं। प्रधानमंत्री ने तिरुवनंतपुरम कॉर्पोरेशन में बीजेपी के सबसे बड़ी ताकत के रूप में उभरने को "युग बदलने वाला" बताया और हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों के बाद राज्य की राजधानी में बीजेपी के सत्ता में आने पर राजेश, डिप्टी मेयर जीएस आशा नाथ और अन्य पार्टी नेताओं को बधाई दी। उन्होंने इसे बहुत गर्व और खुशी का पल बताया और इसे "सुनहरे अक्षरों में लिखा गया" एक मील का पत्थर बताया। पीएम के

एलडीएफ-यूडीएफ पर दिल्ली में दोस्त और राज्य में दुश्मन बनकर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरुवनंतपुरम में बीजेपी की जीत को केरल के लिए एक नए सवेरे का संकेत बताया है, और एलडीएफ-यूडीएफ पर दिल्ली में दोस्त और राज्य में दुश्मन बनकर "फिक्स्ड मैच" खेलने का आरोप लगाया।

अनुसार, तिरुवनंतपुरम में इतिहास रचा गया जब मेयर और डिप्टी मेयर ने शपथ ली, और कहा कि यह फैसला "केरल के लोगों, खासकर युवाओं और महिलाओं में, एक नए सवेरे के लिए तैयारी को दिखाता है"। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी के नेतृत्व वाला नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस "बिना किसी भेदभाव के राष्ट्रवाद, बिना भ्रष्टाचार के विकास और बिना तुष्टीकरण के शासन" पर आधारित एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में उभर रहा है। पार्टी की और तारीफ करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी कार्यकताओं ने दशकों से केरल में एक लंबा और मुश्किल सफर तय किया है, जिसे उन्होंने एलडीएफ और यूडीएफ दोनों के खराब शासन का नाम दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों मोर्चों ने भ्रष्टाचार और हिंसा की संस्कृति को बढ़ावा दिया है, लेकिन कहा कि बीजेपी कार्यकर्ता दृढ़ रहे, निडर होकर जनता के मुद्दे उठाते रहे और "इंडिया फर्स्ट" की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध रहे। तिरुवनंतपुरम की अपनी यात्राओं को याद करते हुए मोदी ने कहा कि श्री पद्मनाभस्वामी के आशीर्वाद से इस शहर ने नेता, समाज सुधारक, कलाकार और सांस्कृतिक हस्तियां पैदा की हैं। उन्होंने कहा कि "विकसित तिरुवनंतपुरम" के लिए पार्टी के विजन को समाज के सभी वर्गों में समर्थन मिला है, जिसमें केंद्र सरकार की विभिन्न राज्यों में शहरी विकास की पहलों से लोगों को मिली जानकारी का भी योगदान है। उन्होंने श्री नारायण गुरु, महात्मा अय्यंकाली और मन्नथु पद्मनाभन की शिक्षाओं का भी ज़िक्र किया और नए नगर निगम नेतृत्व से शहर की सेवा करते समय उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।

भाजपा के निक्कमेपन के चलते लोग साफ पानी के मोहताज, इंदौर कांड पर खरगे का पीएम मोदी पर तीखा हमला

इंदौर एजेंसी: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इंदौर में दूषित पानी पीने के कारण कई लोगों की मौत की घटना को लेकर शुक्रवार को दावा किया कि जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान का ढिंढोरा पीटने वाले" प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा की तरह इस मामले पर भी मौन हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि जल जीवन मिशन समेत, हर योजना में भ्रष्टाचार और धांधली हो रही है। खरगे ने एक्स' पर पोस्ट किया, जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान का ढिंढोरा पीटने वाले नरेन्द्र मोदी जी, हमेशा की तरह इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों को लेकर मौन हैं। यह वही इंदौर शहर है जिसने केंद्र सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण में लगातार आठवीं बार सबसे स्वच्छ शहर का खिताब जीता है। ये शर्मनाक बात है कि यहां पर भाजपा के निकम्मेपन के चलते लोग साफ पानी के मोहताज हैं।" उन्होंने दावा किया कि 11 साल से देश केवल लंबे-चौड़े भाषण, झूठ-प्रपंच, खोखले दावे, डबल-इंजन की डींगें सुन रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, जब मंत्री जी से सवाल पूछा जाता है तो वो गाली-गलौज पर उतर आते हैं। सत्ता के अहंकार में उल्टा पत्रकार पर हावी हो जाते हैं। भाजपा सरकारों के कुशासन पर पूरी मशीनरी पर्दा डालने में जुट जाती है।" खरगे ने आरोप लगाया कि जल जीवन मिशन समेत, हर योजना में भ्रष्टाचार और धांधली है। उनका कहना था, याद दिलाना जरूरी है कि इस मिशन के तहत जल जीवन मिशन का 10 प्रतिशत धन दूषित पानी को साफ करने के लिए दिया जाता है।" कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, मोदी सरकार और भाजपा ने ना देश को साफ पानी मुहैया कराया है और ना ही स्वच्छ हवा। आम जनता भुगत रही है।" इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से फैले उल्टी-दस्त के प्रकोप से 10 लोगों की मौत की जानकारी मिली है। बहरहाल, स्थानीय नागरिकों ने इस प्रकोप से छह माह के बच्चे समेत 14 लोगों के दम तोड़ने का दावा किया है। इस दावे की स्वास्थ्य विभाग ने पुष्टि नहीं की है।

पीएम मोदी ने दिलाई बुद्ध के आदर्शों की याद, 'प्रकाश और कमल' प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार, 3 जनवरी को सुबह लगभग 11 बजे नई दिल्ली के राय पिथोरा सांस्कृतिक परिसर में भगवान बुद्ध से संबंधित पवित्र पिपरावा अवशेषों की भव्य अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी, जिसका शीर्षक "प्रकाश और कमलः जागृत व्यक्ति के अवशेष" है, का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने एक पोस्ट में कहा कि कल, 3 जनवरी, इतिहास, संस्कृति और भगवान बुद्ध के आदर्शों के प्रति प्रेम रखने वालों के लिए एक विशेष दिन है। सुबह 11 बजे, दिल्ली के राय पिथोरा सांस्कृतिक परिसर में भगवान बुद्ध से संबंधित पवित्र पिपरावा अवशेषों की भव्य अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी, 'प्रकाश और कमलः जागृत व्यक्ति के अवशेष', का उद्घाटन किया जाएगा। इस प्रदर्शनी में पिपरावा के वे अवशेष प्रदर्शित किए गए हैं जिन्हें एक सदी से अधिक समय बाद वापस लाया गया है। साथ ही, पिपरावा के वे प्रामाणिक अवशेष और पुरातात्विक सामग्रियां भी शामिल हैं जो नई दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय और कोलकाता के भारतीय संग्रहालय के संग्रह में संरक्षित हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह प्रदर्शनी भगवान बुद्ध के महान विचारों को और अधिक लोकप्रिय बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। उन्होंने आगे कहा, "यह हमारे युवाओं और हमारी समृद्ध संस्कृति के बीच संबंध को और गहरा करने का भी एक प्रयास है। मैं इन अवशेषों की वापसी के लिए काम करने वाले सभी लोगों की सराहना करना चाहता हूं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, इस प्रदर्शनी में पहली बार एक सदी से अधिक समय बाद वापस लाए गए पिपरावा अवशेषों को राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली और भारतीय संग्रहालय, कोलकाता के संग्रहों में संरक्षित पिपरावा के प्रामाणिक अवशेषों और पुरातात्विक सामग्रियों के साथ प्रदर्शित किया गया है। 1898 में खोजे गए पिपरावा अवशेषों का प्रारंभिक बौद्ध धर्म के पुरातात्विक अध्ययन में केंद्रीय स्थान है। ये भगवान बुद्ध से सीधे जुड़े सबसे प्राचीन और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण अवशेषों में से हैं। पुरातात्विक साक्ष्य पिपरावा स्थल को प्राचीन कपिलवस्तु से जोड़ते हैं, जिसे व्यापक रूप से उस स्थान के रूप में पहचाना जाता है

इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा: राहुल गांधी का बीजेपी सरकार पर तीखा हमला, प्रशासन कुंभकर्णी नींद में

इंदौर एजेंसी: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को इंदौर में कथित जल प्रदूषण की घटना को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए इसे जहर बाँटने का मामला बताया, जबकि प्रशासन कुंभकर्ण की तरह सो रहा था। इस घटना पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि लोगों ने बार-बार गंदे और बदबूदार पानी की शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं - और ऊपर से बीजेपी नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी; सरकार ने घमंड परोस दिया। राहुल ने आगे लिखा कि लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की - फिर भी सुनवाई क्यों नहीं हुई? उन्होंने सवाल किया कि सीवर पीने के पानी में कैसे मिला? समय रहते सप्लाई बंद क्यों नहीं हुई? जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी? भाजपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ये ह्यफोकटह्न सवाल नहीं - ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। और इस अधिकार की हत्या के लिए इखढ का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह ज़िम्मेदार है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का एपिसेंटर बन चुका है - कहीं खांसी की सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे, और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। और जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं। दूषित पानी के कारण कई लोगों की मौत और अन्य के अस्पताल में भर्ती होने की खबरों के बाद यह कदम उठाया गया है। इस बीच, मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों को 2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता और सभी प्रभावित लोगों के लिए मुफ्त इलाज की घोषणा की है।

असम में ड्रग माफिया पर सीएम शर्मा का 'सुपर एक्शन', 5 साल में 2900 करोड़ की खेप जब्त

असम एजेंसी: असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गुरुवार को बताया कि पिछले पांच वर्षों में असम में सुरक्षा बलों ने 2,919 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की हैं, जो 2011-2015 के दौरान जब्त की गई ड्रग्स की मात्रा (लगभग 400 करोड़ रुपये) से सात गुना से भी अधिक है। इस दौरान असम पुलिस द्वारा चलाए गए सबसे प्रभावी अभियानों में से एक 'प्रतिबंधित ड्रग्स और मनोरोगी पदार्थों के खिलाफ जंग' रही है। आंकड़ों पर और जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि मई 2021 से अब तक 2,170 करोड़ रुपये मूल्य की मादक और मनोरोगी दवाएं नष्ट की जा चुकी हैं। असम के मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि पिछले पांच वर्षों में, यानी 2021 से, मादक पदार्थों से संबंधित मामलों में 23,000 से अधिक गिरफ्तारियां की गई हैं, जो 2011-2021 के दौरान हुई कुल गिरफ्तारियों (लगभग 6000 गिरफ्तारियां) से लगभग चार गुना अधिक है। पिछले पांच वर्षों में 2919 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ड्रग्स बरामद की गई हैं, जो 2011-2015 के दौरान बरामद की गई ड्रग्स (लगभग 400 करोड़ रुपये) से सात गुना अधिक और 2016-2020 के दौरान बरामद की गई ड्रग्स (लगभग 720 करोड़ रुपये) से लगभग चार गुना अधिक है। राज्य सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में 419.47 करोड़ रुपये, 2024 में 658.76 करोड़ रुपये और 2023 में 722.55 करोड़ रुपये मूल्य की ड्रग्स जब्त की गई। वहीं, 2022 में 735.54 करोड़ रुपये और 2021 में 383.64 करोड़ रुपये मूल्य की ड्रग्स जब्त की गई। इसी बीच, 2025 में सुरक्षा बलों ने 87 किलोग्राम हेरोइन, 13812 किलोग्राम गांजा, 27.27 लाख साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस टैबलेट, 1.26 लाख कफ सिरप की बोतलें, 209 किलोग्राम अफीम और 48 किलोग्राम मॉर्फिन जब्त की।

अभय चौटाला का विवादित बयान: भारत में चाहिए नेपाल-बांग्लादेश जैसे विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय राष्ट्रीय लोक दल (आईएनएलडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने एक विवादास्पद टिप्पणी से विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि भारत में भी श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में हाल ही में हुए आंदोलनों की तरह ही आंदोलन होने चाहिए, जिन्होंने इन देशों में सरकारों को गिरा दिया। एक व्यापक रूप से प्रसारित वीडियो में चौटाला ने कहा कि इन देशों में मुख्य रूप से युवाओं के नेतृत्व में हुए जन विरोध प्रदर्शनों को भारत में वर्तमान सरकार को सत्ता से बेदखल करने के लिए एक आदर्श के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रीलंका में जिस तरह बांग्लादेश के युवाओं ने सरकार को देश छोड़ने पर मजबूर किया, जिस तरह नेपाल के युवाओं ने सरकार को देश छोड़ने पर मजबूर किया, उसी तरह की रणनीति भारत में भी अपनानी होगी ताकि मौजूदा सरकार को सत्ता से हटाया जा सके। उनके ये बयान सोशल मीडिया पर वायरल होते ही भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इसे संवैधानिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरा बताया। एक वीडियो संदेश में पूनावाला ने विपक्षी नेताओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना में संविधान-विरोधी, भारत-विरोधी मानसिकता अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बयानबाजी अंबेडकर के संविधान के खिलाफ जाने की इच्छा को दशार्ती है और भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विश्वास को कमजोर करती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे सिर्फ राजनीतिक लाभ उठाने के लिए लोकतंत्र के खिलाफ जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि ये टिप्पणियां दिखाती हैं कि विपक्षी दल अपने हितों को राष्ट्रीय हितों से ऊपर रख रहे हैं। सत्ताधारी दल भाजपा के प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विपक्षी नेताओं के बीच उभर रहे "भारत-विरोधी विमर्श" की ओर इशारा किया। भंडारी ने चौटाला की टिप्पणी का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी समेत वरिष्ठ विपक्षी नेताओं ने एक ऐसा विमर्श फैलाया है जो भारत की राजनीतिक व्यवस्था की वैधता को चुनौती देता है।

सरकार के काम का प्रचार, टिकटों पर फैसला, अभिषेक बनर्जी की यात्रा के क्या हैं मायने?

बांग्ला एजेंसी: बंगाल में 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले, तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने संगठन की नींव को और मजबूत करने के लिए अपनी यात्रा की शुरूआत की है। अभिषेक बनर्जी 2 जनवरी को बारुईपुर, 3 जनवरी को जलपाईगुड़ी, 4 जनवरी को बीरभूम, 5 जनवरी को बिष्णुपुर, 7 जनवरी को इटाहार, 8 जनवरी को मालदा, 13 जनवरी को कूच बिहार और 15 जनवरी को कांथी जाएंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, विधानसभा चुनाव अगले साल अप्रैल के आसपास होंगे। इसलिए तृणमूल कांग्रेस ने अभी से पूरी तैयारी शुरू कर दी है। 2021 में तृणमूल कांग्रेस ने राज्य की 294 सीटों में से 215 सीटें जीती थीं। सांसद अभिषेक ने निर्देश दिया है कि इस बार लक्ष्य उस परिणाम को पार करना और जीत के अंतर को और बढ़ाना है। अबार जीत बे बांग्ला तृणमूल का दावा है कि बीजेपी की वजह से बंगाल की गरिमा और अधिकारों को ठेस पहुंची है। अभिषेक की भूमिका बहुआयामी हो जाती है। वे आशा के सूत्रधार होने के साथ-साथ बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षक और उसकी अनूठी पहचान के रक्षक भी हैं। अभिषेक अपनी यात्रा के जरिए न केवल तृणमूल सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का बखान नहीं करेंगे, बल्कि उस एकजुटता की भावना को एकजुट करेंगे जो ऐतिहासिक रूप से बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य की विशेषता रही है। अपनी पिछली नबो जोआर यात्रा (नई लहर यात्रा) की सफलताओं से प्रेरणा लेते हुए, जिसने 2023 के पंचायत चुनावों से पहले समर्थन जुटाया था, वे रणनीतिक रूप से अपने वर्तमान अभियान को नवीनीकरण और पुनरुत्थान की व्यापक कहानी से जोड़ते हैं। एक

विधानसभा चुनाव अगले साल अप्रैल के आसपास होंगे। इसलिए तृणमूल कांग्रेस ने अभी से पूरी तैयारी शुरू कर दी है। 2021 में तृणमूल कांग्रेस ने राज्य की 294 सीटों में से 215 सीटें जीती थीं। सांसद अभिषेक ने निर्देश दिया है कि इस बार लक्ष्य उस परिणाम को पार करना और जीत के अंतर को और बढ़ाना है।

ऐसे राज्य में जो हमेशा राजनीतिक षड्यंत्रों के घेरे में रहता है, अभिषेक प्रामाणिकता के प्रतीक के रूप में उभरने की कोशिश कर रहे हैं, जो भाजपा द्वारा प्रचारित तेजी से अलगाववादी राष्ट्रीय आख्यान के बिल्कुल विपरीत है। अभिषेक का बढ़ता कद अभिषेक बनर्जी का उदय जितना उनके वंश (ममता बनर्जी के भाईपो (भतीजे) होने) से जुड़ा है, उतना ही उनकी राजनीतिक प्रतिष्ठा की व्यक्तिगत खोज से भी। उनके शुरूआती अभियानों में उन्होंने एक विशिष्ट व्यक्तित्व विकसित किया है; उन्हें अक्सर ममता का दाहिना हाथ माना जाता है, लेकिन अब वे पार्टी के भीतर एक ऐसा महत्वपूर्ण स्थान बना रहे हैं जिसे कई लोग निर्णायक मानते हैं। लोकसभा में तृणमूल के नेता के रूप में उनका हालिया चयन विश्वास मत का संकेत है, जो उनके वर्तमान प्रयासों के अनुरूप है। पार्टी के आंतरिक समीकरणों को संभालने की बनर्जी की क्षमता, विशेष रूप से पुराने नेताओं के साथ मतभेद के क्षणों में, उनकी सत्ता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण रही है। 2024 के लोकसभा चुनावों में उम्मीदवारों के लिए उनके चयन - जैसे कि पहले कभी न परखे गए चेहरों को मैदान में उतारने का साहसिक निर्णय - न केवल रणनीतिक कुशलता को दशार्ता है, बल्कि राजनीतिक अपेक्षाओं को फिर से परिभाषित करने की उनकी तत्परता को भी प्रदर्शित करता है।

संपादकीय

नियम-कानून की कोई परवाह नहीं

नेशनल हेराल्ड मामले में वैध एफआईआर ही मौजूद नहीं है। क्या ईडी के अधिकारियों को कानून की इतनी बुनियादी जानकारी भी नहीं है? या जब मामला विपक्षी नेताओं से संबंधित हो, तो वे नियम- कानून की कोई परवाह नहीं करते? नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं को राहत मिली, मीडिया की सुर्खियों में इसी पहलू को अहमियत दी गई है। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने जो निर्णय दिया, उसका यह सिर्फ एक पक्ष है। लेकिन यह मूल बात नहीं है। कांग्रेस नेताओं को राहत इसलिए मिली, क्योंकि जज ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने संज्ञान इसलिए नहीं लिया, क्योंकि वह इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि मामले की एफआईआर ही वैध ढंग से दर्ज नहीं हुई है। हुआ यह कि एक व्यक्ति (भाजपा नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी) ने निजी तौर पर एफआरआर दर्ज कराई। उसमें कांग्रेस नेताओं पर मनी लॉन्ड्रिंग के इल्जाम लगाए गए।

ईडी ने उसी मामले में जारी समन के आधार पर केस अपने हाथ में लेकर में जांच शुरू कर दी। यानी उसने अपनी तरफ से कोई एफआईआर दर्ज नहीं किया। जज विशाल गोगने ने मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून की संबंधित धाराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ईडी निजी एफआईआर के आधार पर चार्जशीट तैयार नहीं कर सकती। जज का यही वो निष्कर्ष है, जो ईडी की कार्यशैली को बेनकाब कहता है। सवाल है कि क्या ईडी के अधिकारियों को कानूनी धाराओं की इतनी बुनियादी जानकारी भी नहीं है? या जब मामला विपक्षी नेताओं से संबंधित हो, तो अपने सियासी आकाओं के इशारे पर वे नियम- कानून की कोई परवाह नहीं करते? सत्ताधारी भाजपा और उसके समर्थक नेटवर्क ने वर्षों से नेशनल हेराल्ड मामले को गांधी परिवार के कथित भ्रष्टाचार की मिसाल बता कर प्रचारित किया है। मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी से भी लंबी पूछताछ हुई। मगर अब सामने आया है कि यह सब उस मामले में हुआ, जिसमें एफआईआर ही वैध नहीं थी। सामान्य स्थितियों में कायदे का इस रूप में उल्लंघन करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाती, ताकि भविष्य में अधिकार के ऐसे दुरुपयोग को रोका जा सके। लेकिन मौजूदा माहौल में इसकी उम्मीद करना बेमतलब है। अभी तो संभावना यही है कि ऊपरी अदालत में अपील की आड़ में सारा मामला पृष्ठभूमि में डाल दिया जाएगा।

चिंतन-मनन

धर्मराज युधिष्ठिर ने निभाया था भ्रातृ धर्म

गहन वन से तृषार्त पाण्डव गुजर रहे थे। पानी की तलाश में वे इधर-उधर घूम ही रहे थे कि अकस्मात उन्हें एक सरोवर दिखाई दिया। भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव जल पीने के पूर्व ही मृत्यु का ग्रास बन गए। कारण यह था कि एक यक्ष ने उनसे प्रश्न किए थे, किंतु उन्होंने उस ओर ध्यान नहीं दिया और बिना जवाब दिए ही पानी पीने लगे। लेकिन वे यक्ष का कोपभाजन बने और उन्हें मृत्यु प्राप्त हुई। इतने में युधिष्ठिर आए और पानी पीने की कोशिश करने लगे। उनसे भी यक्ष ने प्रश्न किए, जिनके युधिष्ठर ने समुचित उत्तर दे दिए। तब यक्ष ने प्रसन्न होकर कहा, तुम जल पीने के अधिकारी हो। मेरी इच्छा है कि तुम्हारे चारों भ्राताओं में से किसी एक को जीवन दान दूं। बोलो, मैं किसे पुनर्जीवित करूं?

प्रश्न बड़ा ही विचित्र था और साथ ही कठिन भी, क्योंकि युधिष्ठिर को चारों भाई एक समान प्रिय थे, तथापि एक क्षण भी सोचे बिना वे बोले, यक्षश्रेष्ठ आप नकुल को ही जीवन दान दें। यक्ष हंस पड़ा और बोला, धर्मराज, कौरवों से युद्ध में भीम की गदा और अर्जुन का गांडीव बड़ा ही उपयोगी सिद्ध होगा। इन दो सगे भाइयों को छोड़कर नकुल का जीवन क्यों चाहते हो। धर्मराज बोले, यक्षश्रेष्ठ हम पांचों भ्राता ही माताओं के स्नेह चिह्न हैं। माता पुंती के पुत्रों से मैं शेष हूं, किंतु माद्री मां के तो दोनों ही पुत्र मर चुके हैं। अत? यदि एक के ही जीवन का प्रश्न है, तो माद्री मां के नकुल का ही पुनर्जीवन इष्ट है। यक्ष ने सुना, तो भावविह्वल हो बोला, युधिष्ठिर तुम धर्मतत्व के ज्ञाता हो, मैं तो सिर्फ तुम्हारी परीक्षा ले रहा था कि तुम वास्तव में धर्म के अवतार हो या नहीं। अतएव मैं चारों भाईयों को जीवन देता हूं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

उमर खालिद के समर्थन में उतर कर जोहरान मामदानी ने बड़ा खतरनाक खेल खेला है

नीरज कुमार दुबे

न्यूयार्क के मेयर जोहरान मामदानी की ओर से भारत में तिहाड़ जेल में बंद उमर खालिद को भेजे गए एक पत्र ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नया विवाद खड़ा कर दिया है। हम आपको बता दें कि यह पत्र उमर खालिद के माता पिता से मुलाकात के दौरान दिया गया और इसमें मामदानी ने खालिद के विचारों की तारीफ करते हुए लिखा कि वे उनके बारे में सोच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उमर खालिद पर वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े गंभीर आरोपों की सुनवाई चल रही है।

इस पत्र के सामने आने के बाद भारत में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। आलोचकों का कहना है कि किसी विदेशी शहर के मेयर द्वारा भारत के एक संवेदनशील कानूनी मामले में पक्ष लेना अनुचित है। खासकर तब, जब मामला दंगों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हो। हम आपको याद दिला दें कि उमर खालिद पर गैरकानूनी गतिविधि निरोधक कानून के तहत आरोप हैं और वह न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है। ऐसे में किसी विदेशी जनप्रतिनिधि की ओर से सहानुभूति और प्रशंसा का सार्वजनिक संकेत कई सवाल खड़े करता है।

हम आपको बता दें कि मामदानी के पत्र को सिर्फ एक व्यक्तिगत संदेश नहीं माना जा रहा है बल्कि इसे एक राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। भारत और अमेरिका के संबंधों के संदर्भ में भी इस कदम को असहज माना गया है। भारत में यह तर्क उभरा है कि यदि हर देश का स्थानीय नेता दूसरे देश के न्यायिक मामलों पर टिप्पणी करने लगे तो संप्रभुता और संस्थागत सम्मान पर आंच आएगी।

देखा जाये तो जोहरान मामदानी का यह कदम साफ तौर पर भारत के आंतरिक मामलों में दखल है। सवाल सीधा है। सवाल उठता है कि न्यूयार्क के मेयर को यह अधिकार किसने दिया कि वह भारत के दंगों से जुड़े एक आरोपी की तारीफ करे और उसे नैतिक समर्थन दे। मामदानी को समझना होगा कि भारत की न्याय व्यवस्था सक्षम है, संवैधानिक है और अपने फैसले खुद लेने में समर्थ है।

उमर खालिद कोई साधारण सामाजिक कार्यकर्ता नहीं है, बल्कि उस पर दिल्ली दंगों की साजिश में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं। ऐसे व्यक्ति को वैश्विक मंच से नैतिक समर्थन देना न केवल भारत के लिए गलत है, बल्कि यह एक खतरनाक परंपरा को जन्म देता है। इससे यह संदेश जाता है कि दंगों और हिंसा से जुड़े आरोपों को वैचारिक खोल पहनाकर महिमामंडित किया जा सकता है। यह संदेश उन तत्वों के लिए संजीवनी का काम करता है जो अराजकता और टकराव की राजनीति में विश्वास रखते हैं।

मामदानी को यह समझना चाहिए था कि भारत का आंतरिक कानून और व्यवस्था किसी विदेशी राजनेता की राय का मोहताज नहीं। यदि उन्हें मानवाधिकार की इतनी ही चिंता है, तो उन्हें अपने देश में चल रही हिंसा, नस्लीय तनाव और अपराध की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। भारत में न्याय की प्रक्रिया अदालतों के माध्यम से चलती है, न कि सोशल संदेशों और पत्रों के जरिये।

इस तरह का समर्थन सिर्फ भारत में ही नहीं, अमेरिका में भी गलत असर डाल सकता है। जब वहां के नेता दंगों के आरोपी की तारीफ करते हैं, तो यह वहां मौजूद कट्टर और हिंसक विचारधारा के लोगों का हौसला बढ़ाता है। वे इसे यह कहकर पेश कर सकते हैं कि उनके विचारों को वैश्विक मान्यता मिल रही है। यह लोकतंत्र के लिए घातक संकेत है। लोकतंत्र का अर्थ कानून का शासन है, न कि आरोपियों का महिमामंडन। यह भी याद रखना जरूरी है कि भारत और अमेरिका दोनों ही लोकतांत्रिक देश हैं। लोकतंत्र की बुनियाद एक दूसरे की संस्थाओं के सम्मान पर टिकी होती है। जब कोई विदेशी नेता भारत की न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े करता है या एक पक्ष को नैतिक ऊंचाई पर बैठाने की कोशिश करता है, तो यह आपसी विश्वास को चोट पहुंचाता है। यह न तो कूटनीतिक मयार्दा के अनुरूप है और न ही जिम्मेदार राजनीति का उदाहरण।

मामदानी का पत्र उन तमाम भारतीय नागरिकों की भावनाओं का भी अपमान है जिन्होंने दिल्ली दंगों में अपने परिजन खोए, जिनकी दुकाने जलीं और जिनका जीवन तबाह हुआ। उनके लिए दंगे कोई वैचारिक बहस नहीं, बल्कि एक कड़वी सच्चाई है। ऐसे में दंगों के मास्टरमाइंड की तारीफ करना घावों पर नमक छिड़कने जैसा है।

भारत को किसी से प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं कि वह लोकतांत्रिक है या न्यायप्रिय। यहां की अदालतें स्वतंत्र हैं और फैसले सबूतों के आधार पर होते हैं। यदि उमर खालिद निर्दोष है, तो वह अदालत से बरी होगा। यदि दोषी है, तो सजा पाएगा। इसमें किसी विदेशी मेयर के भावनात्मक पत्र की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए।

बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि जोहरान मामदानी का यह कदम गैर जिम्मेदार, दखल देने वाला और भड़काऊ है। भारत के आंतरिक मामलों में इस तरह की बयानबाजी बंद होनी चाहिए। लोकतंत्र का सम्मान तभी संभव है, जब हर देश अपनी सीमाएं पहचाने और दूसरों की न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप से बचे। यही संतुलन वैश्विक शांति और आपसी सम्मान की असली कसौटी है।

पहली महिला शिक्षक सावित्रीबाई फुले जिन्होंने की बालिका शिक्षा की शुरुआत

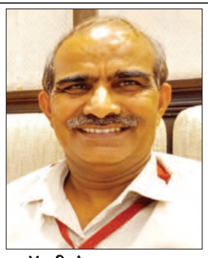

डॉ श्रीगोपाल नारसन

पहली महिला शिक्षिका और समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले ने कन्या शिशु हत्या को रोकने के लिए भी काम किया।

उनके पति ज्योतिराव, जो बाद में ज्योतिबा के नाम से जाने गए। दलित महिलाओं के उत्थान के लिए काम करने, छुआछूत के खिलाफ आवाज उठाने के कारण जब वह स्कूल जाती थीं, तो उनके विरोधी उन्हें पत्थर मारते थे। कई बार उनके ऊपर गंदगी फेंकी गई। सावित्रीबाई फुले एक साड़ी अपने थैले में लेकर चलती थीं और स्कूल पहुंच कर गंदी हुई साड़ी बदल लेती थीं। 1848 में पुणे के भिड़ेवाड़ी इलाके में अपने पति के साथ मिलकर विभिन्न जातियों की 9 छात्राओं के लिए इस विद्यालय की स्थापना की। एक वर्ष में सावित्रीबाई फुले और महात्मा ज्योतिबा फुले 5 नए विद्यालय खोलने में सफल हुए। पुणे में पहले स्कूल खोलने के बाद फूले दंपति ने 1851 में पुणे के रास्ता पेठ में लड़कियों का दूसरा स्कूल खोला और 15 मार्च 1852 में बताल पेठ में लड़कियों का तीसरा स्कूल खोला। उनकी बनाई हुई संस्था सत्यशोधन समाज ने 1876 और 1879 के अकाल में अन्न सत्र चलाया और अन्न इकटठा करके आश्रम में रहने वाले 2000 बच्चों को खाना खिलाने की व्यवस्था की।

सावित्रीबाई ने स्कूल में छात्राओं को पढ़ाने के साथ-साथ समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी। उन्होंने 28 जनवरी 1853 को बाल हत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना की। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह सभा का आयोजन किया। जिसमें महिलाओं सम्बन्धी समस्याओं का समाधान किया जाता था। सन् 1890 में महात्मा ज्योतिबा फुले की मृत्यु के बाद सावित्रीबाई ने उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने का प्रयास किया। प्लेग के मरीजों की देखभाल करने के दौरान सावित्रीबाई की मृत्यु 10 मार्च सन 1897 को हुई।

उनके पिता का नाम खन्दोजी नेवसे और माता का नाम लक्ष्मी था। उन्हें आधुनिक मराठी काव्य का अग्रदूत माना जाता है। उन्होंने देश के पहले किसान स्कूल की भी स्थापना की थी देश मे 19वीं सदी तक स्त्रियों के कोई अधिकार नही थे, इन अधिकारों को प्राप्त करने व अशिक्षा, छुआछूत, सतीप्रथा, बाल या विधवा-विवाह जैसी कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाकर देश की पहली महिला शिक्षिका बनी थीं महाराष्ट्र में जन्मीं सावित्री बाई फुले। जिन्होंने अपने पति समाज सुधारक ज्योति राव फुले से पढ़कर सामाजिक चेतना फैलाई और नारी जाति का मान बढ़ाया।उन्होंने अंधविश्वास और रूढ़ियों की बेड़ियां तोड़ने के लिए लंबा संघर्ष किया था। सावित्रीबाई फुले 3जनवरी सन1831 में महाराष्ट्र के सतारा जिले में स्थ?त नायगांव में पैदा हुई थीं। मात्र 9 साल की छोटी उम्र में पूना के रहने वाले ज्योति राव फुले के साथ उनकी शादी हो गई थी, विवाह के समय सावित्री बाई फुले पूरी तरह अनपढ़ थीं, जबकि उनके पति तीसरी कक्षा तक पढ़े हुए थे।वह भी पढ़ना चाहती थी, जिस दौर में वो पढ़ने का सपना देख रही थीं, तब वंचितों के साथ बहुत भेदभाव होता था, एक दिन सावित्रीबाई अंग्रेजी की किसी किताब के पन्ने पलट रही थीं, तभी उनके पिताजी ने देख लिया, वह दौड़कर आए और किताब हाथ से छीनकर घर से बाहर फेंक दी। वे बोले शिक्षा का हक केवल उच्च जाति के पुरुषों को ही है, दलित और महिलाओं को शिक्षा ग्रहण करना पाप है,ऐसा उन्होंने उस समय कहते है बताया तो उसी दिन सावित्री फेंकी गई किताब वापस लाकर प्रण कर बैठीं कि कुछ भी हो जाए वह एक न एक दिन पढ़ना जरूर सीखेंगी।ऐसा हुआ भी,अपने मजबूत इरादों के बल पर सावित्री बाई न सिर्फ पढ़ी बल्कि सावित्रीबाई फुले देश ही नही दुनिया की पहली महिला शिक्षिका भी बन गई। उन्होंने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भरसक प्रयास किये थे। उनके पति ने ही सावित्रीबाई के सपने को पूरा करने के लिए शिक्षा ग्रहण करने की इजाजत दी थी,साथ ही अक्षरज्ञान भी उन्होंने ही कराया।

शादी के बाद सावित्रीबाई पढ़ने के लिए स्कूल जाने लगीं, उनका काफी विरोध भी काफी हुआ। उन्हें रोकने के लिए लोग सावित्री बाई फुले पर पत्थर मारते थे। कूड़ा और कीचड़ फेंकते थे,लेकिन सावित्री बाई फुले ने हार नहीं मानी और पढ़ाई पूरी करके शिक्षिका बनने का स्वप्न पूरा किया।

सावित्रीबाई को महसूस हुआ कि देश में उन जैसी कितनी ही लड़कियां होंगी जो पढ़ना चाहती है। शिक्षा ग्रहण करने के लिए बालिकाओं को संघर्ष न करना पड़े, इसके लिए सावित्री बाई फुले ने सन 1848 में महाराष्ट्र के पुणे में देश का पहला बालिका स्कूल स्थापित किया। बाद में उन्होंने लड़कियों के लिए 18 स्कूलों का निर्माण कराया।इसलिए हम कह सकते है कि सावित्रीबाई फुले एक समाज सेविका ही नहीं,

बल्कि देश दुनिया की पहली महिला शिक्षक व देश के पहले बालिका स्कूल की प्रधानाचार्य भी बन गईं थी। 66 वर्ष की उम्र में सावित्रीबाई फुले का 10 मार्च सन1897 को निधन हो गया था। सावित्रीबाई ने सन 1848 से लेकर सन1852 के बीच लड़कियों के लिए 18 स्कूल खोले थे। सावित्रीबाई ने सिर्फ शिक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि देश में मौजूद कई कुरीतियों के खिलाफ भी आवाजा उठाई।उन्होंने छुआ-छूत, बाल-विवाह, सती प्रथा और विधवा विवाह निषेध जैसी कुरीतियों का विरोध किया और इनके खिलाफ जीवनपर्यंत लड़ती रहीं।ऐसी महान नारी शक्ति के जन्मदिवस पर उन्हें शत शत नमन।

(लेखक विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति व वरिष्ठ साहित्यकार है)

अस्तित्व संकट के बीच पारिवारिक एकता का राग

राजनीति के बारे में कहा जाता है कि यहां कोई न तो स्थायी दोस्त होता है और ना ही कोई स्थायी दुश्मन। राजनीति में ऐसे कम ही उदाहरण मिलेंगे,जहां दोस्ती के मूल में दिल का रिश्ता होता है। गौर से देखें तो संभावनाओं, चुनौतियों और अवसरों की बुनियाद पर पर दोस्ती या दुश्मनी के रिश्ते आगे बढ़ते हैं। महाराष्ट्र के दो राजनीतिक परिवारों के मिलन को भी इसी अंदाज और संदर्भ में देखा जाना चाहिए। राज्य का पवार परिवार हो या फिर ठाकरे कुनबा, अगर एक होता नजर आ रहा है या एक हुआ है तो इसका मतलब यह नहीं है कि दोनों परिवारों के प्रमुख अलंबरदारों के दिल मिल चुके हैं। बल्कि राजनीतिक संभावनाओं और अवसरों ने उन्हें एक होने को प्रेरित किया है।

चाहे ठाकरे परिवार हो या फिर पवार कुनबा, दोनों में कुछ समानताएं हैं। शरद पवार हों या बाल ठाकरे, एक दौर में दोनों की महाराष्ट्र की राजनीति में तूती बोलती थी। पिछली सदी के आखिरी दशक में तो राजनीतिक हलके का एक बड़ा हिस्सा शरद पवार को देश का भावी प्रधानमंत्री तक मानने लगा था। इसी तरह महाराष्ट्र के टाइगर के रूप में बाल ठाकरे की ख्याति रही। दोनों ही राजनीतिक खानदानों के मुखिया का स्वाभाविक उत्तराधिकारी दोनों के भतीजे ही माने जाते थे। एक दौर तक शरद के उत्तराधिकारी के तौर पर देश और प्रदेश अजित पवार को देखता था। इसी तरह शिवसैनिक भी बाल ठाकरे के भतीजे राज ठाकरे को अगली पीढ़ी का ठाकरे सीनियर मान चुका था। लेकिन जब उत्तराधिकार सौंपने की बारी आई तो पवार ने अपनी बेटी सुप्रिया सुले पर भरोसा जताया और बाल ठाकरे ने अपने छोटे बेटे राज ठाकरे को। ऐसे हालात में अजित और राज ठाकरे को अपना भविष्य चुनौतीपूर्ण लगा, राजनीतिक संभावनाएं कम होती दिखीं तो दोनों ने अपनी राह अलग कर ली। उन्नीस साल पहले राज ठाकरे ने शिवसेना से अलग होकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बना ली तो अजित पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस के मूल धड़े पर ही कब्जा कर लिया। पार्टी के असल संस्थापक शरद पवार पुछल्ला पार्टी लेकर एक तरह से किनारे का दल संभालने लगे।

पवार परिवार और ठाकरे कुनबे में बिखराव की कहानी भी अलग-अलग रही। जब तक बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे अपनी शिवसेना को बीजेपी के साथ खड़ा रखे, तब तक तो उनके नेतृत्व को चुनौती नहीं मिली। दल का राज्य में ठीकठाक समर्थन भी रहा। हालांकि महत्वाकांक्षाओं के साथ अलग हुए राज ठाकरे को राजनीतिक सफलताएं न के बराबर मिलीं। लेकिन जब से उद्धव ने बीजेपी को छोड़ कांग्रेस और पवार की एनसीपी का साथ पकड़ा, राजनीतिक मैदान में उसका आधार घटने लगा। वहीं पवार सीनियर से अलग होने के बावजूद बीजेपी के साथ के चलते अजित

का राजनीतिक रूतबा कम नहीं हुआ। अलबत्ता कभी भारत के प्रधानमंत्री मैटेरियल देखे जाते रहे वरिष्ठ पवार की सियासी साख घटती चली गई। कुनबे में बिखराव के चलते दोनों परिवारों की राजनीतिक ताकत बीजेपी के सामने बौनी होती जा रही है। एक तरह से कह सकते हैं कि दोनों परिवारों के राजनीतिक अस्तित्व पर ही सवाल उठने लगा है।

एक कहावत है, मरता क्या नहीं करता। राजनीतिक अस्तित्व पर जब बन आती है तो कम ही सियासी हस्तियां होती हैं, जो समझौते नहीं करतीं। इसे समझदारी कहें या फिर राजनीति की रवायत, ठाकरे परिवार और पवार कुनबा-दोनों ही एक होने जा रहे हैं। पारिवारिक बिखराव को समेटने की कोशिश तेज हो गई है। ठाकरे बंधु तो बाकायदा प्रेस कांफ्रेंस करके एक हो चुके हैं, जबकि पवार परिवार अपने गढ़ बारामती में एक होने का संकेत दे रहा है। बारामती में हाल ही में पवार परिवार ने एक आयोजन किया, जिसमें आज के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी के मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। इसे पवार कुनबे ने खूब प्रचारित किया। इस प्रचार का संदेश साफ है कि दोनों परिवार एक होने जा रहे हैं।

चाहे ठाकरे कुनबा हो या फिर पवार परिवार, अगर दोनों एक हो रहे हैं तो उसकी सिर्फ अस्तित्व की रक्षा भी नहीं है, बीजेपी रूपी चुनौती से पार पाना भी है और मुंबई महानगर पालिका, पुणे महानगर पालिका और पिंपरी चिंचवड़ महानगर पालिका पर कब्जे की चाहत भी है। मुंबई महानगर पालिका का सालाना बजट सत्तर हजार करोड़ रूपए का है। यह रकम उत्तर पूर्व के राज्यों के समूचे बजट से भी ज्यादा बैठती है। पिंपरी-चिंचवड़ महानगर पालिका के दायरे में एशिया का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है। जाहिर है कि यहां से कर के रूप में मोटी रकम आती है। ठाकरे परिवार की एकता के पीछे एक कारण जहां बृहन्नमुंबई महानगर पालिका पर कब्जा जमाना है, वहीं पवार परिवार की एकता के पीछे पुणे महानगरपालिका और पिंपरी-चिंचवड़ महानगर पालिका पर कब्जा जमाना है। दोनों परिवारों को लगता है कि अगर वे बिखरे रहे तो उनके प्रभाव वाली महानगरपालिकाओं में उन्हें कुछ भी हाथ नहीं लगेगा। यहां यह बताना जरूरी है कि एक दौर में बीएमसी पर शिवसेना का कब्जा रहता था तो पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में पवार परिवार का। दोनों परिवारों के मिलन के पीछे की बड़ी वजह यही है।

भारतीय जनता पार्टी का इतिहास देखिए, अपने विस्तार के पहले चरण में वह अपने साथी दलों के सहयोग पर निर्भर रही। बाद के दौर में उसने खुद का प्रभाव बढ़ाया और अपने दम पर वह स्थापित होती चली गई। हरियाणा, उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात के बाद अब इसी तरह वह महाराष्ट्र में वह अपने दम पर उभर चुकी है। जबकि कुछ साल पहले तक महाराष्ट्र में एक तरह से शिवसेना के छोटे भाई की भूमिका में रहती थी। अब चाहे शिवसेना का टूटा हुआ धड़ा हो या अजित पवार वाली एनसीपी, दोनों उसके छोटे भाई की भूमिका में हैं। जिस तरह निकाय चुनावों में बीजेपी ने अपना दबदबा कायम किया है, उससे पवार परिवार की भी चिंताएं बढ़ी हैं और ठाकरे खानदान की भी। इसीलिए दोनों परिवार एक हुए हैं या होते नजर आ रहे हैं। पवार परिवार अब एक साथ पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ के चुनाव में उतरने जा रहा है तो ठाकरे परिवार मुंबई में। लेकिन यह तय है कि दोनों परिवारों के रिश्तों की मजबूती इन महापालिका चुनाव नतीजों पर निर्भर करेगी। अगर उन्हें जीत मिली तो तय है कि पारिवारिक गठबंधन आगे बढ़ेंगे, और ऐसा नहीं हुआ तो दोस्ती की नई राह तलाशने की कोशिशें फिर से तेज होंगी।

अमरोहा जिला संयुक्त चिकित्सालय में उपकरणों का उद्घाटन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा अध्यक्ष नगर पालिका परिषद अमरोहा शशि जैन की उपस्थिति में जिला अस्पताल में प्रबन्धक आई०डी०बी०आई० बैंक, अमरोहा के सौजन्य से प्राप्त सी०एस०आर० फण्ड के अन्तर्गत आई०सी०यू० वार्ड हेतु Oil Immersion Heater 9 fin एवं ऑपरेशन थियेटर के उपयोग हेतु Electric C-Arms Compatible Orthopaedic O.T. Table तथा मरीजों एवं तीमारदारों के लिये पीने के पानी के 02 Water Cooler, जितेन्द्र सिंह, मैसर्स दान ट्रेडर्स अमरोहा द्वारा चिकित्सालय की दन्त यूनिट में शल्य क्रिया हेतु Dell 17 Laptop, मौलाना जीशान अहमद, ग्राम दासीपुर अमरोहा द्वारा चिकित्सालय की दन्त यूनिट हेतु

Endo Motor & Intra Oral Camera with Screen, सतेन्द्र सिंह (एडवोकेट) महासचिव, तहसीलवार, अमरोहा द्वारा चिकित्सालय की दन्त यूनिट हेतु RVG Dental X-ray Sansor, शासन द्वारा टी०बी० क्लीनिक हेतु प्राप्त पोर्टेबल डिजिटल एक्स-रे मशीन का विधिवत पूजा कर फीता काटकर उद्घाटन किया। जिलाधिकारी ने चिकित्सालय अमरोहा को उक्त उपकरणों हेतु धन्यवाद पत्र प्रदान किये गये तथा सभी दानदाताओं से अपेक्षा की गई कि आपसे भविष्य में भी इसी प्रकार का सहयोग मिलता रहेगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी योगेंद्र कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ए0के0भंडारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी जसकरन

गंगवार, वरिष्ठ समाजसेवी हरिसिंह मौर्य, अनिल स्वरूप टंडन, आई०डी०बी०आई० बैंक के रीजनल हेड समीर कुमार, ब्रांच हेड, अंकित कुमार गुप्ता, वरूण मखीजा, शैलेन्द्र वशिष्ठ, दानकर्ता जितेन्द्र सिंह, मौलाना जीशान अहमद, सुतेन्द्र सिंह (एडवोकेट), डॉ० विशाल त्रिवेदी, जिला क्षय रोग अधिकारी, अमरोहा, डॉ० अनिल कुमार गुप्ता,

जनरल सर्जन, डॉ० विनय भार्गव, वरिष्ठ परामर्शदाता, डॉ० प्रमोद कुमार, वरिष्ठ परामर्शदाता, डॉ० चरन सिंह, चिकित्सा अधीक्षक, सिद्धान्त सिरोही, मौ० शाने आलम, मुनेन्द्र सिंह, निहार रस्तौगी, दिलशाद आलम, विनेश कुमार एवं अन्य स्टाफ उपस्थित थे। सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

1200 मतदाताओं के आधार पर मतदेय स्थलों की सूचियों का हुआ अंतिम प्रकाशन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने सर्वसाधारण को सूचित करते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के क्रम में अधिकतम 1200 मतदाताओं के आधार पर जनपद अमरोहा में अवस्थित 39-घनौरा (अ०जा०), 40-नौगांवा सादात, 41-अमरोहा एवं 42-हसनपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों के सम्भाजन संबंधी प्रस्तावों को अनुमोदित कर दिया गया है। मैनुअल ऑन पोलिंग स्टेशन-अक्टूबर-2020 संस्करण-2 के अध्याय-13, पैरा-13.3.7 में दिये गये प्राविधानों के अनुसार तैयार की गयी मतदेय स्थलों की सूचियों का अंतिम प्रकाशन दिनाँक 01 जनवरी 2026 को लोक प्रतिनिधित्व

अधिनियम-1951 की धारा-5 के उपबन्धों के अनुसरण में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी, अमरोहा, समस्त उपजिलाधिकारी / निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालयों (तहसील कार्यालयों) पर विधिवत रूप से करा दिया गया है। कोई भी जन सामान्य किसी भी कार्य दिवस में उक्त विनिर्दिष्ट स्थानों पर उपस्थित होकर मतदेय स्थलों की सूची का निरीक्षण कर सकते हैं अथवा जनपद की वेबसाईट amroha.nic.in पर उपलब्ध deoportal पर देख सकते हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत गठित "जनपद स्तरीय निगरानी समिति की बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत गठित "जनपद स्तरीय निगरानी समिति" की वर्ष की प्रथम त्रैमासिक-बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत आवास प्लस सर्वेक्षण 2024 के अन्तर्गत कराये गये सर्वे में चेकिंग के उपरान्त प्राप्त डिलीशन माड्यूल के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की गयी। जनपद में 8266 परिवारों को सर्वे कराया गया है, जिसमें से 3661 परिवार एक्सेप्टेट श्रेणी के तथा 4605 परिवार डिस्प्यूट श्रेणी के प्राप्त हुए हैं। समस्त परिवारों का पुनः सत्यापन खण्ड विकास अधिकारियों के माध्यम से कराया जा रहा है तथा इसके उपरान्त विकासखण्ड तथा जनपद स्तर से तैनात अधिकारियों के माध्यम से भी रेण्डम आधार पर

वेरीफिकेशन का कार्य भारत सरकार द्वारा प्रदत्त एप्प के माध्यम से किया जायेगा। डिलीशन माड्यूल के सम्बन्ध में परियोजना निदेशक डीआरडीए द्वारा विस्तार से सदन के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया। बैठक में उपस्थित ब्लॉक प्रमुख गुरेन्द्र सिंह ढिल्लो ने खण्ड विकास अधिकारियों से अपेक्षा की के सत्यापन का कार्य पूरी ईमानदारी के साथ किया जाये। साथ ही बैठक में आवास के लाभार्थियों को कन्वर्जेन्स के अन्तर्गत अन्य योजनाओं यथा-बिजली कनेक्शन, शौचालय, राशन कार्ड मनरेगा मजदूरी आदि योजनाओं से भी लाभान्वित किये जाये। ज़िलाधिकारी द्वारा समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि सर्वेक्षण का अन्तिम चरण में पूरी सजगता बरती जाये तथा जनपद स्तर पर डिलीशन एवं वेरीफिकेशन के लिए जो रिकार्ड भेजा जाये, उसमें पात्रता/अपात्रता का स्पष्ट उल्लेख किया जाये। साथ ही निर्देश दिये गये कि किसी भी दशा में कोई पात्र परिवार वंचित न रहे तथा कोई अपात्र सूची में सम्मिलित न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि सर्वेक्षण में ऐसी परिवार को चिन्हित करें जिनके घर नहीं है ऐसे परिवारों के विकास के लिए घर के साथ-साथ उन्हें राशन कार्ड, शौचालय, उज्ज्वला योजना के अंतर्गत सिलेंडर, विद्युत कनेक्शन और पेंशन की उचित व्यवस्था की जाए। जिलाधिकारी ने जिनके जॉब कार्ड गलत फीड हो गए हैं उनको सही करने के निर्देश दिए और एक सप्ताह के अंदर जॉब कार्ड ठीक कर उसकी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख अमरोहा गुरिंदर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, परियोजना निदेशक अमरीश कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत, खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

धनौरा में खोखे में लगी आग लगने से लाखों का सामान जलकर राख,पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- थाना मंडी धनौरा में एक खोखे में आग लगने से उसमें रखा लाखों का सामान जलकर राख हो गया। यह घटना गुरुवार की देर रात करीब 11:00 बजे हुई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं खोखा मलिक ने इस घटना में करीब चार लाख रुपए का नुकसान होना बताया है साथ ही उसने इस घटना में किसी अज्ञात व्यक्ति के हाथ होने का आरोप लगाया है। बता दें कि थाना मंडी धनौरा के मोहल्ला महादेव में गुरुवार की देर रात करीब 11:00 बजे एक दोना पत्तल के खोखे में भीषण आग लग गई, आग लगने से उसमें रखा लाखों का सामान जलकर राख हो गया। जानकारी देते हुए खोखा स्वामी ने बताया कि इस घटना में उनका करीब चार लाख

रुपए का नुकसान हुआ है। इसके अलावा आपको बता दें कि यह खोखा नगर के कमेलपुर रोड पर रामलीला मैदान के नजदीक हीरानगर निवासी सुधीर वर्मा का था। घटना के समय खोखे में लगी आग की लपटे इतनी तेज थी कि आसपास के लोगों में उन्हें देखकर अफरातफरी मच गई, स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना खोखा स्वामी को दी ,इसके बाद उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर बाल्टियों एवं अन्य संसाधनों से आग पर पानी डालकर किसी तरह काबू पाया। किसी तरह स्थानीय लोगों के प्रयासों से बढ़ती आग को अन्य खोखो तक पहुंचने से रोका जा सका। वहीं सूचना मिलने पर गजरौला से फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर पूरी तरह से काबू पाया। फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्यवाही से एक बड़ी घटना होने से टल गई जिससे नजदीक के खोखा मालिकों को राहत मिली। खोखा मलिक सुधीर वर्मा ने आग लगने की घटना को लेकर अज्ञात व्यक्ति पर आगजनी का आरोप लगाया है उनका मानना है कि किसी ने जानबूझकर उनके खोखे में आग लगाई है ,सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं प्रारंभिक जांच में आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका, पुलिस ने खोखा मालिक के आरोपों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है, रामलीला मैदान के नजदीक दो दर्जन से अधिक लकड़ी के खोखे हैं जहां स्थानीय लोग सब्जी, फल और चाय सहित अन्य सामान बेचते हैं यदि आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता तो यहां एक बड़ी घटना हो सकती थी और आग एक बड़ी त्रासदी का रूप ले सकती थी।

जिले में सड़क सुरक्षा अभियान ग्राम चौपालों की ओर"

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा माह के दूसरे दिन ग्राम चौपालों में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पहले ऐसे कार्यक्रम मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों तक सीमित रहते थे, लेकिन इस बार ग्रामीणों को भी इस अभियान से जोड़ने का विशेष प्रयास किया जा रहा है।इसी क्रम में जिला पंचायती राज विभाग द्वारा ग्राम फतेहपुर शुमाली (गजरौला) में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सड़क सुरक्षा विषय पर चर्चा से हुई। एआरटीओ

प्रवर्तन महेश शर्मा ने उपस्थित माताओं-बहनों और ग्रामीणों को सड़क दुर्घटनाओं के दुष्परिणामों और परिवारों पर पड़ने वाली पीड़ा के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने अपील की कि घर से बाहर निकलते समय परिवार के हर सदस्य को हेल्मेट, सीटबेल्ट आदि पहनने के लिए अनिवार्य रूप से प्रेरित करें।डीपीआरओ पारूल सिसौदिया ने सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए यातायात नियमों के पालन पर जोर दिया और लोगों को प्रेरित किया। सीडीओ अश्विनी मिश्र ने सड़कों की गुणवत्ता में सुधार के बावजूद दुर्घटनाओं में कमी न आने पर चिंता जताई तथा संयमित वाहन चलाने की सलाह दी।कार्यक्रम में टीएसआई अनुज मलिक, समाजसेवी अनिल जग्गा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। इस तरह के आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की उम्मीद है।

नये कार्यवाहक सीएमओ बने डॉ योगेंद्र सिंह ने संभाली अमरोहा जिले की कमान

सेवानिवृत्ति के बाद सौंपी गई स्वास्थ्य सेवाओं की जिम्मेदारी

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में स्वास्थ्य विभाग की सेवाओं की कमान संभालने के लिए कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) के रूप में डॉ योगेंद्र सिंह ने पदभार ग्रहण कर लिया है, उन्होंने सीएमओ के पद से सेवानिवृत्ति हुए डॉ सत्यपाल सिंह का स्थान लिया है। बता दें कि डॉ योगेंद्र सिंह इससे पहले गजरौला सीएचसी प्रभारी रहे। डॉ योगेंद्र सिंह जनपद में शासन स्तर से स्थाई सीएमओ की नियुक्ति होने तक इस पद पर तैनात रहेंगे। गुरुवार को धनौरा सीएचसी के प्रभारी डॉक्टर राहुल कुमार एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारियों ने नए कार्यवाहक

सीएमओ डॉक्टर योगेंद्र सिंह को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर एवं उन्हें मालाएं पहनाकर शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा आपको बता दें कि डॉ योगेंद्र सिंह की गिनती एक अच्छे और सुलझे हुए बाल रोग विशेषज्ञों में आती है। धनौरा से शुभकामनाएं देने वालों में विनोद कुमार, शैली यादव, संदीप कुमार, अभिषेक वर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के कयी अन्य अधिकारी मौजूद रहे, वहीं भाजपा के कार्यकताओं में डॉक्टर उत्तम सिंह प्रजापति ,डॉ करन सिंह,व रजनीश कुमार ने उन्हें बुके देकर व मिठाई

खिलाकर बधाई दी। डॉ राहुल कुमार ने बताया कि नवागत सीएमओ ने शासन की मंशा के अनुरूप लोगों को बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने को अपनी पहली प्राथमिकता बताया है। उन्होंने सीएचसी को हर संभव सहायता और जरुरतें पूरी करने का आश्वासन भी दिया है।

स्कूल संचालक और अभिभावक कर रहे बच्चों की जान से खिलवाड़

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में स्कूली बच्चों की जान से खिलवाड़ का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। ब्रजघाट पुलिस चौकी क्षेत्र में एक निजी स्कूल के प्रबंधक और प्रधानाचार्य द्वारा बच्चों को असुरक्षित तरीके से ट्रैक्टर ट्राली में ले जाया जा रहा था। ट्राली को पिंजरा नुमा बनाकर उसमें बेंच लगाए गए थे और दर्जनों बच्चे इसमें ठूंसकर बैठाए गए थे। यह तरीका बेहद खतरनाक है, क्योंकि किसी भी दुर्घटना में बच्चों की जान को गंभीर खतरा हो सकता है।घटना उस समय प्रकाश में आई जब एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा हाईवे पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। उनकी नजर एक ट्रैक्टर ट्राली पर पड़ी, जो स्कूली बच्चों से भरी हुई थी। बच्चों को इस तरह असुरक्षित वाहन में देखकर उन्होंने तुरंत ट्राली को रोका। बच्चों से बातचीत कर पता चला कि यह उनके स्कूल का वाहन है और रोजाना इसी तरह उन्हें स्कूल लाया-ले जाया जाता है। एआरटीओ महेश शर्मा ने फौरन बच्चों को सुरक्षित तरीके से उनके गांव पहुंचाया और ट्रैक्टर ट्राली को ब्रजघाट पुलिस चौकी पर सीज कर दिया। उन्होंने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। साथ ही, अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को ऐसे खतरनाक वाहनों में न बैठाएं।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने किया चुचेला कला गौ आश्रय स्थल का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में नए वर्ष के पहले दिन गो आश्रय स्थल चुचेला कला का निरीक्षण किया गया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा दत्त और उप जिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव ने स्थल का दौरा किया। उनके साथ उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. चमन प्रकाश, दीपाक्षी, पशुधन प्रसार अधिकारी आदि उपस्थित रहे। अधिकारियों ने गोवंश के स्वास्थ्य, सफाई व्यवस्था और सर्दी से बचाव के इंतजामों का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि

बछड़ों एवं वृद्ध पशुओं को कोट (जैकेट) पहनाए जाएं तथा उन्हें प्रचुर मात्रा में पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाए।इसी दिन मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ सहायक अतुल गुप्ता का जन्मदिन गोशाला में मनाया गया। अतुल गुप्ता ने सभी गोवंश को 50 किग्रा गुड़ और 500 किग्रा हरा चारा खिलाया। उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपाक्षी ने इस पहल की सराहना की।गो आश्रय स्थल को मनु अग्रवाल (दिल्ली) ने कैटल लिफ्ट पुली सिस्टम दान में दिया, जो खड़े होने में असमर्थ गोवंश को उठाने में सहायक होगा। नकुल पिरावट ने लिफ्टिंग बेल्ट के लिए 4000 रुपये तथा 10 किग्रा गुड़ दान किया। मनु अग्रवाल की सराहनीय कार्य की डॉ. आभा दत्त एवं विभा श्रीवास्तव ने प्रशंसा की। मनु अग्रवाल ने परिवार सहित गो सेवा की और जनपद की अन्य गोशालाओं में भी ऐसे सिस्टम प्रदान करने का आश्वासन दिया।यह प्रयास असमर्थ गोवंश के लिए वरदान साबित होगा। समाज में गोवंश के प्रति संवेदना एवं सेवा भाव अत्यंत प्रशंसनीय है।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्य गतिमान है। तत्क्रम में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में बैठक का आयोजन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधान सभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (रक्फ़) से संबंधित कार्यक्रम के अनुसार 26 दिसंबर 2025 तक गणना अवधि निर्धारित थी। 06 जनवरी 2026 को निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन किया जायेगा। 06 जनवरी 2026 से 06 फरवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। नोटिस 27 फरवरी 2026 तक निर्धारित की गयी है। निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूचियों) का अंतिम प्रकाशन दिनांक 06 मार्च 2026 को किया जाएगा। डीईओ ने बताया कि सम्प्रति विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (SIR) में आयोग के निदेर्शानुसार 03 जनवरी 2026 को

सभी बूथ लेवल अधिकारी (बी०एल०ओ०) अपने से संबंधित मतदेय स्थल (बूथ) पर दिनांक 26 दिसंबर 2025 के पश्चात की अनुपस्थित/शिफ्टेड / मृत / डप्लीकेट मतदाताओं की सूची के साथ उपस्थित रहेंगे तथा राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त किये गये बूथ लेवल एजेण्ट्स (बी०एल०ए०) के साथ बैठक आहूत करेंगे। साथ ही बूथ लेवल अधिकारी द्वारा सभी अर्ह मतदाताओं से फार्म-6 भी प्राप्त किये जायेंगे। उन्होंने जनपद के सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय / राज्यीय राजनैतिक दलों से अपील करते हुए कहा कि 03 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली उक्त बैठक में प्रतिभाग करने हेतु अपने सभी बूथ लेवल एजेन्ट्स को सूचित करने का कष्ट करें तथा सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (उप जिलाधिकारी) को निर्देश दिये जाते हैं कि उपरोक्तानुसार बी०एल०ए० के साथ बैठक आयोजित किये जाने हेतु समस्त संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों (बी०एल०ओ०) को अपने स्तर से निर्देश देने का कष्ट करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों सहित संबंधित उपस्थित रहे।

दीनदयाल उपाध्याय स्वरोजगार योजना से गरीबों को मिलेगा लाभ

अमरोहा (सब का सपना):- जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) /जिला प्रबन्धक, उ०प्र० अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लि०, अमरोहा पंखुरी जैन ने जानकारी देते हुए कहा कि उ०प्र० अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लि०, द्वारा विगत वर्षों में विभिन्न योजनओं यथा पं० दीनदयाल उपाध्याय स्वरोजगार योजना मार्जिन मनी ऋण/अनुविनि पम्पसेट योजना/सिलाई मशीन / रिक्शा ठेला योजना/महिला समृद्धि योजना /टर्मलोन योजना/लघु उद्योग/ व्यवसाय ऋण योजना/सैनेटरी मार्ट योजना/स्वच्छकार विमुक्ति एवं पुनर्वासन आदि योजनाओं के अन्तर्गत अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को वितरित ऋणों की वसूली को प्रबन्ध निदेशक, उ०प्र० अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास

निगम लि० लखनऊ महोदय के द्वारा बकायेदारों को एक बड़ी राहत देने वाली एकमुश्त समाधान योजना को 01 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक बढ़ाये जाने को निर्णय लिया गया है तथा उन पर दण्ड ब्याज एवं चक्रवृद्धि ब्याज लगाकर एक बड़ी राशि हो गयी है को अब मात्र निर्धारित अवधि का ही साधारण ब्याज लेकर एकमुश्त खाते को बन्द कर दिया जायेगा, जिससे लाभार्थी को दण्ड ब्याज चक्रवृद्धि ब्याज एवं निर्धारित अवधि के बाद के वर्षों का भी समस्त ब्याज माफ कर दिया जायेगा। अब एकमुश्त समाधान योजना दिनांक 31 मार्च, 2028 तक लागू रहेगी। अतः उ०प्र० अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लि० से अनुसूचित जाति के पूर्व में लाभान्वित अधिदेय बकायेदारों को सरकार द्वारा दी जा रही बड़ी छूट का लाभ उठाने के लिए सूचित किया जा रहा है कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठायें तथा अपने ऋण खातों को समयान्तर्गत बन्द कर दें। अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्यदिवस में जनपदीय कार्यालय कक्ष संख्या 217 विकास भवन अमरोहा अथवा मोबाइल संख्या 9045917716 से भी सम्पर्क कर सकते हैं।

चंदौसी में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई प्रख्यात ग्रामीण पत्रकार बाबू बालेश्वर लाल की जयंती

संगठन पत्रकारों की समस्याओं के समाधान में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहा है:अरुण कुमार गोस्वामी

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के संस्थापक और प्रख्यात पत्रकार बाबू बालेश्वर लाल की जयंती गुरुवार को गौशाला रोड स्थित मोगा फैमिली रेस्टोरेंट में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पत्रकारों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन भेंट किए। कार्यक्रम की शुरूआत में एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बाबू बालेश्वर लाल के ग्रामीण पत्रकारिता के क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान को याद किया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं और आवाज को मुख्यधारा की मीडिया तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिससे संभल जनपद सहित पूरे क्षेत्र की पत्रकारिता ने नई ऊंचाइयां

हासिल कीं। जिला अध्यक्ष मनीष शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि बाबू जी का संघर्ष और समर्पण आज भी युवा पत्रकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने सभी सदस्यों से एसोसिएशन को और मजबूत बनाने के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया। मंडल अध्यक्ष अरुण कुमार गोस्वामी ने बाबू जी के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों से ग्रामीण पत्रकारिता को नई दिशा और पहचान मिली तथा एसोसिएशन का विस्तार संभव हो सका। उन्होंने कहा कि संगठन पत्रकारों की समस्याओं के समाधान में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहा है और सभी को एकजुटता बनाए रखने की अपील की। इस अवसर पर मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष अरुण गोस्वामी, जिला अध्यक्ष मनीष शर्मा, मोहित भारद्वाज, मुकेश गौड़, आलोक शर्मा, महेश राघव, अंशुल गुप्ता, अंशुल सिंह, शिवम भारद्वाज, अरविंद मौर्य, महानंद गौतम, सौरभ वार्ष्णेय, अंकित कश्यप, पंकज शर्मा, अर्पित मल्होत्रा, संजू यादव, लक्ष्य शर्मा, कुलदीप पाठक, नितिन सागर, सौरभ मिश्रा, नवल किशोर गुप्ता, हरिओम अग्रवाल, गौरव शर्मा, आदित्यकांत शर्मा, बॉबी कुमार, चरन सिंह, दीपचंद, रामपाल सिंह, मनीष कुमार, अफसर अली, बबलू सैफी, रंजीत सिंह, कुलदीप गुप्ता, अंशुल वार्ष्णेय, रिंकू दिवाकर, विनोद राघव, सुमित कुमार, कुंवर पाल सिंह, आशुतोष, शिवम जोशी, उदित सिंह, सुमित सहित जिले भर के दर्जनों पत्रकार उपस्थित रहे।

जुआ खेलने के आरोप में युवक गिरफ्तार, पुलिस का सख्त अभियान जारी

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने एक युवक को जुआ खेलने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के कुशल निर्देशन में की गई, जिसमें जिले के पुलिस महकमे की सतर्कता का परिचय मिला। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई और अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह के दिशा-निर्देश तथा क्षेत्राधिकारी असमौली कुलदीप सिंह के नेतृत्व में थाना नखासा की टीम ने गुरुवार को मौहल्ला महमूद खां सराय में सोएब की बेकरी के पास से अभियुक्त फैजी पुत्र अकील अहमद (25) को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी संबंधित मुकदमा जुआ एक्ट के अंतर्गत दर्ज है। थाना नखासा पर तैनात उप निरीक्षक रामकुमार सोम के नेतृत्व में गठित

टीम ने अभियुक्त को उसके ठिकाने पर दबिश देकर हिरासत में लिया। पूछताछ में अभियुक्त ने जुआ खेलने का जुर्म कबूल किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में अपराध नियंत्रण के लिए यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। जुआ, सट्टा और अन्य अवैध गतिविधियों पर सख्ती बरती जाएगी, ताकि आमजन को सुरक्षित वातावरण मिल सके। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया जाएगा। यह कार्रवाई सम्भल जिले में बढ़ते अपराधों पर लगाम कसने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे स्थानीय निवासियों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है।

कोहरे में सड़क हादसों को रोकने के लिए पुलिस का विशेष अभियान, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर लगाए रिफ्लेक्टर

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के सख्त निर्देश पर थाना और यातायात पुलिस ने संयुक्त रूप से एक विशेष सड़क सुरक्षा अभियान चलाया। इस अभियान के तहत मुख्य स्थानों, चौराहों और सड़कों पर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों सहित अन्य वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए गए, ताकि सर्दी के मौसम में कोहरे और धुंध के कारण होने वाली दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। अभियान का मुख्य उद्देश्य वाहनों को कोहरे, धुंध और अंधेरे के दौरान दूर से ही स्पष्ट रूप से दिखाई देना सुनिश्चित करना है, जिससे सड़क हादसों की संभावना न्यूनतम हो सके। पुलिस टीमों ने ग्रामीण क्षेत्रों और प्रमुख मार्गों पर सक्रियता दिखाते हुए सैकड़ों वाहनों की जांच की और जहां आवश्यकता हुई, वहां तत्काल रिफ्लेक्टर स्थापित किए। एसपी कृष्ण कुमार ने बताया कि सर्दियों में कोहरा सड़क सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन जाता है, इसलिए इस तरह के अभियान निरंतर चलाए जाएंगे। पुलिस ने आमजन से विशेष अपील की है कि कोहरे के समय वाहन धीमी गति से चलाएं और फॉग लाइट का सही उपयोग करें। हेडलाइट को हमेशा लो बीम पर रखें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं। इसके अलावा, ओवर स्पीडिंग से बचें और गलत दिशा में वाहन चलाने जैसी लापरवाही न बरतें। यातायात पुलिस ने स्थानीय लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए सड़क किनारे स्टैंड लगाकर परामर्श सत्र भी आयोजित किए, जहां ड्राइवरों को सुरक्षा टिप्स दिए गए।

इस अभियान से स्थानीय निवासियों में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। एक ट्रैक्टर चालक ने कहा, रिफ्लेक्टर लगने से अब रात में या कोहरे में वाहन सुरक्षित महसूस होता है। जिला प्रशासन ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के इस प्रयास से सम्भल में सर्दी के मौसम में यात्रा अधिक सुरक्षित हो सकेगी।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को किया जागरूक

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सम्भल पुलिस ने शुक्रवार को एक विशेष हेलमेट जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर यह अभियान आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक तिवारी, यातायात प्रभारी दुष्यंत बालियान तथा आरटीओ अधिकारी सम्भल भी मौजूद रहे। अभियान के दौरान बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों को रोका गया और उन्हें सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया गया। पुलिस टीम ने चालकों को मौके पर ही हेलमेट खरीदने के लिए प्रेरित किया तथा यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट का अनिवार्य उपयोग करने और दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों की जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने आमजन से अपील की कि वे यातायात नियमों का पूर्ण रूप से पालन करें और दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट का प्रयोग करें। उन्होंने कहा, हेलमेट का उपयोग जीवन रक्षा का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है। इससे दुर्घटनाओं में होने वाली जानलेवा चोटों को काफी हद तक रोका जा सकता है। यह अभियान सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में पुलिस की निरंतर मुहिम का हिस्सा है, जिससे जिले में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़े और दुर्घटनाएं कम हों।

अमरोहा में चली तबादला एक्सप्रेस,एसपी ने 8 इंस्पेक्टर और 4 दरोगा के किए तबादले

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने तबादला एक्सप्रेस चलाते हुए 8 इंस्पेक्टर और 4 दरोगा को स्थानांतरित किया है जिनमें तीन थाना प्रभारी को बदला गया है। बता दें कि शुक्रवार को अमरोहा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने बड़े स्तर पर पुलिस कर्मियों का स्थानांतरण किया है जारी की गई तबादला सूची के अनुसार इंस्पेक्टर शोकेंद्र सिंह बालियान को क्राइम ब्रांच से अमरोहा देहात का नया थाना प्रभारी, अमरोहा देहात के मौजूदा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सनोज प्रताप सिंह को सोशल मीडिया सेल का प्रभारी नियुक्त किया है, इसके अलावा एसओजी प्रभारी दरोगा कुलदीप तोमर को बछरायूं थाने की कमान सौंपी गई है,अन्य तबादलों में सोशल मीडिया सेल प्रभारी इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह को एसपी पीआरओ

बनाया गया है ,पुलिस लाइन में तैनात इंस्पेक्टर संजय कुमार को आदमपुर थाने का प्रभारी नियुक्त किया गया है ,आदमपुर थाना प्रभारी दरोगा कुमरेश त्यागी को क्र्क्क्र सेल प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि सम्मन सेल प्रभारी दरोगा बृजेश सिंह को एसओजी प्रभारी बनाया गया है। बछरायूं थाना प्रभारी दरोगा अमित तोमर को सम्मन सेल प्रभारी का कार्यभार सौंपा गया है ,क्राइम इंस्पेक्टर थाना अमरोहा देहात रविंद्र सिंह मलिक को गजरौला थाना क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर के पद पर भेजा गया है। इंस्पेक्टर सत्येंद्र सिंह को अमरोहा देहात का क्राइम इंस्पेक्टर बनाया गया है ,इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार को मानव अधिकार प्रभारी एवं इंस्पेक्टर सुनील कुमार को क्राइम ब्रांच स्थानांतरित किया गया है ।पुलिस के सूत्रों के अनुसार आने वाले समय में एसपी द्वारा कुछ और थाना प्रभारियों के तबादले भी किए जा सकते हैं।

नगर पालिका में बंदर पकड़ने का अभियान लगातार जारी

2 दिन में 135 बंदरों को किया सुरक्षित रेस्क्यू,अब तक करीब 500 बंदरों को सुरक्षित पकड़ा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना): जनपद के गजरौला में लोगों को बंदरों के आतंक से निजात दिलाने के लिए गजरौला नगर पालिका परिषद द्वारा बंदरों के पकड़े जाने हेतु एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत शुक्रवार को नगर पालिका की टीम द्वारा नगर के मोहल्ला अंबेडकर नगर से लेकर मंडी समिति तक क्षेत्र में बंदरों को पकड़ने की कार्यवाही की गई। नगर पालिका द्वारा बुलाई गई टीम ने शुक्रवार को 55 बंदरों को सुरक्षित रूप से पड़कर रेस्क्यू किया ।इसके अलावा गुरुवार को भी इस अभियान के तहत पालिका की टीम द्वारा 80 बंदरों को सुरक्षित रेस्क्यू कर दूर घने जंगलों में छोड़ गया है। पालिका द्वारा पकड़े गए इन सभी बंदरो को मानवीय सुरक्षा का ध्यान रखते हुए शहर से काफी दूर घने जंगलों में सुरक्षित छोड़ दिया गया है ताकि वे दोबारा आबादी वाले क्षेत्र

में ना आ सके। बता दें कि यह अभियान करीब 15 दिन से चलाया जा रहा है जिसके तहत अभी तक करीब 500 बंदरों को पकड़ कर रेस्क्यू कर उन्हें आबादी वाले क्षेत्र से काफी दूर छोड़ दिया गया है। इसके बारे में जानकारी देते हुए पालिका के अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य ने बताया कि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए यह अभियान प्राथमिकता पर चलाया जा रहा है, उन्होंने कहा कि शहर के अन्य वार्डों और मोहल्लों में भी बंदर पकड़ने का यह कार्य लगातार जारी रहेगा ताकि गजरौला के नागरिकों को इस समस्या से पूरी तरह से राहत मिल सके।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ, डीएम ने रैली को दिखाई हरी झंडी

दुपहिया वाहन चालकों को रोककर हेलमेट वितरण कर किया गया जागरूक

बहजोई/संभल(सब का सपना):- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह अभियान के तहत 1 जनवरी से 31 जनवरी तक चलने वाले राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह अभियान के तहत संभल जनपद में यातायात नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और मानव जीवन की रक्षा करना है। गुरुवार को कलक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने जागरूकता वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने परिसर में उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं

अन्य लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति शपथ दिलाई। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं अमूल्य मानव जीवन को छीन लेती हैं। नागरिकों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि सुरक्षित वाहन चलाएं, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें तथा यातायाा नियमों का पूर्ण पालन करें। इसके बाद जिलाधिकारी ने कलक्ट्रेट के सामने नेशनल हाईवे पर स्वयं यातायात नियमों की चेकिंग की। बिना हेलमेट पहने दुपहिया वाहन चालकों को रोका गया,

उन्हें जागरूक किया गया तथा हेलमेट वितरित किए गए। इस अवसर पर एआरटीओ अमिताभ चतुर्वेदी, क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह तथा एनसीसी कैडेट्स सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जनपद प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि इस माह भर चलने वाले अभियान में सक्रिय सहयोग करें ताकि सड़कें सुरक्षित बनें और दुर्घटनाएं न्यूनतम हों।

पति की आत्महत्या के मामले में पत्नी गिरफ्तार, लगातार झगड़ों से तंग आकर युवक ने दी थी जान

संभल(सब का सपना):- जिले के थाना नखासा क्षेत्र में एक युवक की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। लगातार पारिवारिक कलह और अपमान के कारण तंग आकर युवक ने अपना जीवन समाप्त कर लिया था। पुलिस ने आरोपी पत्नी को उसके गाँव के पास बस स्टैंड से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, बीते 9 दिसंबर को ग्राम देहपा निवासी वीर सिंह पुत्र गंगाराम ने थाना नखासा में तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि वादी के पुत्र विपिन कुमार और उसकी पत्नी मोनिका के बीच आए दिन झगड़े और कहा-सुनी हो जाती थी। मोनिका ने अपने भाइयों को बुलाकर विपिन को भला-बुरा कहकर अपमानित किया, जिससे वह गहरे मानसिक दबाव में आ गया। इसी प्रताड़ना के चलते विपिन ने आत्महत्या कर ली। इस मामले में

थाना नखासा पर मुकदमा दर्ज किया गया था। शुक्रवार को सुबह थाना नखासा की पुलिस टीम ने अभियुक्ता मोनिका पत्नी विपिन कुमार (30) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में मोनिका ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है और अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। परिवारिक विवादों के कारण होने वाली ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस जागरूकता अभियान चला रही है। स्थानीय लोगों में इस गिरफ्तारी को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है।

नई मुसीबत में फंसेंगे केजरीवाल? 'एफआईआर दर्ज कराएगी दिल्ली सरकार'; कुत्ते गिनवाने के बयान से पैदा हुआ विवाद

नई दिल्ली। शिक्षकों से कुत्ते गिनवाने का आरोप लगाने पर दिल्ली सरकार एक्शन लेनी की तैयारी में है। इस बयान को लेकर दिल्ली सरकार आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर एफआईआर दर्ज कराएगी। दिल्ली के गृह व शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि सरकार ने सोच विचार कर यह फैसला लिया है कि चंडीगढ़ में बैठकर केजरीवाल सोशल मीडिया पर जिस तरीके से दिल्ली सरकार को बदनाम करने की साजिश के तहत अपने एक्स हैंडल से पोस्ट कर रहे हैं। सरकार इस बारे में सख्ती से कदम उठाने जा रही है। बता दें कि केजरीवाल ने कुछ दिन पहले अपने एक एक्स अकाउंट से पोस्ट किया था कि दिल्ली के शिक्षक बच्चों को पढ़ाएं या कुत्ते गिनें। सूद ने कहा कि जिस सर्कुलर को लेकर आम आदमी पार्टी और केजरीवाल दिल्ली सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, उस सर्कुलर में कहीं पर कुत्ते गिरने की बात नहीं लिखी है। सूद ने कहा कि केजरीवाल बताएं कि किस सर्कुलर में कुत्ते गिनने की बात है, अगर नहीं है तो जनता से माफी मांगे अन्यथा कल उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। पुलिस को कहा गया है कि पुलिस मामले की जांच करे और जिन लोगों को एक साजिश के तहत शिक्षक बनाकर इस मामले में बयान दिलवाए गए हैं, वह सच्चाई भी सामने आएगी। सरकार ने दर्ज कराई शिकायत शिक्षा निदेशालय ने सोशल मीडिया पर फैल रही उस खबर को पूरी तरह झूठा और भ्रामक बताया, जिसमें दावा किया गया था कि शिक्षकों को आवारा कुत्तों की गिनती करने का निर्देश दिया गया है। विभाग ने इस 'फेकनैरेटिव' के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपितों पर कार्रवाई की मांग की है। शिक्षा निदेशक वेदितारेड्डी स्पष्ट किया कि शिक्षकों से कुत्तों की गिनती करने का कोई निर्देश जारी नहीं किया गया। गलत सूचना फैलाकर अभिभावकों और शिक्षकों के बीच भ्रम पैदा किया गया है। ऐसे डिजिटल सबूत पुलिस को सौंपे गए हैं। यह झूठी जानकारी दुर्भावनापूर्ण इरादे से फैलाई गई, जिससे विभाग की साख को नुकसान पहुंचा और सार्वजनिक विश्वास प्रभावित हुआ। ऐसे लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। शिक्षा निदेशालय ने दोहराया कि संबंधित सर्कुलर में कहीं भी कुत्तों की गिनती का जिक्र नहीं है और विभाग पहले ही इसका खंडन कर चुका है। शिकायत में बीएनएस की विभिन्न धाराओं और आइटीएक्ट की धाराओं का उल्लेख करते हुए एफआइआर दर्ज कर मूल स्रोत और कंटेंट फैलाने वालों की पहचान कर कार्रवाई की मांग की गई है।

दिल्ली में रेखा गुप्ता ने अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने राजनीति को मयार्दा और सत्ता को सेवा का माध्यम बनाया। उन्होंने बीजेपी कार्यकताओं को अटल जी के आदर्शो का पालन करने की प्रेरणा दी।
रेखा गुप्ता ने अटल जी के जीवन और मूल्यों पर प्रकाश डाला और उन्हें भारतीय राजनीति का एक महान नेता बताया।

फ्लैट में संदिग्ध हालात में मिला महिला का शव, मथुरा की रहने वाली थी रिया चौधरी

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में मुखर्जी नगर स्थित एक फ्लैट के कमरे में 31 दिसंबर की शाम संदिग्ध हालात में फंदे से लटका एक महिला का शव मिला है। सूचना पर पहुंची मुखर्जी नगर थाना पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई। शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान 27 वर्षीय रिया चौधरी के रूप में हुई है। जो उत्तर प्रदेश के मथुरा की रहने वाली थी। पुलिस जांच में पता चला कि मृतका शादीशुदा थी, चार वर्ष का एक बेटा भी है। जो बीते तीन सालों से पति से अलग रह रही थी। यहां एक पुरुष दोस्त के कमरे में तीन दिनों से रुकी थी। पुलिस का कहना है कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुखर्जी नगर स्थित इस फ्लैट में महिला तीन दिनों से रह रही थी। यह फ्लैट मथुरा के रहने वाले एक छात्र ने किराया पर लिया हुआ है, जो यहां रहकर एसएससी की तैयारी करता है। दोनों एक दूसरे को पहले से जानते थे। दोनों की दोस्ती फेसबुक के जरिए हुई थी। वहीं, जांच के दौरान पता चला कि मृतका के दोस्त की दादी को कैंसर था। दादी की तबीयत खराब होने की वजह से दोस्त शनिवार को ही मथुरा चला गया था। 31 दिसंबर को दादी की मौत पर छात्र ने जब महिला को फोन किया तो, वह फोन नहीं उठा रही थी। ऐसे में युवक ने किसी दोस्त से कमरे पर जाकर महिला से बात कराने के लिए कहा। दोस्त के जाने पर पता चला कि कमरे का गेट अंदर से बंद है। गेट के ऊपर लगे शीशे से अंगर झांक कर देखा तो महिला फंदे से लटकी हुई थी। तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पाया कि फ्लैट का गेट अंदर से बंद है। एक कमरे में महिला फंदे से लटकी हुई है। इसकी जानकारी एफएसएल व क्राइम टीम को दी। सूचना पर पहुंची टीम ने कई साक्ष्य जुटाए हैं। महिला का मोबाइल फोन कब्जे में लेकर पुलिस जांच कर रही है। पुलिस युवक से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही है। वहीं, इस मामले में पुलिस आत्महत्या व हत्या के एंगल से भी जांच कर रही है।

नए साल पर दिल्ली को दहलाने निकलने पांच बदमाश गिरफ्तार, पिस्टल समेत अवैध हथियार बरामद

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में नववर्ष से पूर्व हथियार लेकर आपराधिक वारदातों को अंजाम देने के लिए निकलने अलग-अलग थाना क्षेत्रों से बाहरी जिला पुलिस ने पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से दो पिस्टल, तीन कारतूस और तीन चाकू बरामद किए हैं। गिरफ्तार बदमाशों के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर इनके अन्य साथियों का पता लगा रही है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि नववर्ष के जश्न को सुरक्षित बनाए रखने के लिए जिले के सभी थाना क्षेत्रों में दो दिन पहले से ही गश्त और निगरानी तेज कर दी गई थी। इसी दौरान अलग-अलग थाना पुलिस टीमों ने कार्रवाई करते हुए बदमाशों को दबोचा। उन्होंने बताया कि 29 दिसंबर की रात मंगोलपुरी थाना पुलिस वाई ब्लाक क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान बारात घर के पास एक संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। उसकी पहचान मंगोलपुरी निवासी रोहन के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उसके पास से एक पिस्टल बरामद की गई। वहीं, पूछताछ में उसने लूटपाट की नीयत से इलाके में घूमने की बात कबूल की। उसके खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। दूसरी घटना में 30 दिसंबर की रात निहाल विहार थाना पुलिस ने चंदर विहार इलाके में नाला रोड पर गश्त के दौरान एक बदमाश को पकड़ा। पुलिस को देखकर वह भी भागने लगा था। वहीं, पकड़े गए बदमाश की पहचान चंदर विहार निवासी संतोष के रूप में हुई। उसकी तलाशी के दौरान एक पिस्टल और कारतूस बरामद किए गए। तीसरे मामले में रानीबाग थाना पुलिस ने 30 दिसंबर को पीतमपुरा इलाके से वारदात के इरादे से घूम रहे मोहन गार्डन निवासी नरेंद्र को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक चाकू बरामद हुआ। इसी थाना क्षेत्र में रानीबाग थाने की दूसरी टीम ने शकूरपुर रेलवे पार्किंग के पास से शकूरपुर निवासी विकास को दबोचा, जिसके पास से भी एक चाकू मिला। इसके अलावा राज पार्क थाना पुलिस ने मंगोलपुरी इलाके से अजय नामक बदमाश को गिरफ्तार किया। उसके पास से भी एक चाकू बरामद किया गया है। पूछताछ में अजय ने लूटपाट की नीयत से इलाके में घूमने की बात स्वीकार की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए कुछ बदमाशों के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। सभी आरोपियों से पूछताछ कर उनके आपराधिक रिकार्ड की जांच की जा रही है।

नए साल की पहली रात हत्याओं से दहली दिल्ली, पुलिस को खुली चुनौती देकर अलग-अलग इलाकों में तीन मर्डर

बाहरी दिल्ली। नए साल पर दिल्ली पुलिस की सतर्कता के बीच बदमाशों ने बीती रात कानून व्यवस्था को खुली चुनौती देते हुए अलग-अलग स्थानों पर एक के बाद एक तीन हत्या की। नए साल की पहली रात मंगोलपुरी सी-ब्लाक में तीन-चार लोगों ने विकास नामक ई-रिक्शा चालक की चाकू घोंपकर कर हत्या कर दी। हमले में विकास का दोस्त संदीप घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, विकास हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी था। पुलिस आपसी रंजिश का मामला बता रही है। पुलिस ने दो हमलावरों की पहचान कर ली है। सुल्तानपुरी में हुई दूसरी वारदात वहीं, दूसरी वारदात सुल्तानपुरी के सी-ब्लाक में हुई। यहां कुछ लोगों ने एक किशोर (15) पर चाकू से हमला करके मौत के घाट उतार दिया। बताया जा रहा है कि बेटे पर हमले के दौरान उसकी मां ने बीच-बचाव किया। इस दौरान किशोर की मां भी घायल हो गई। अभी हत्या का कारण नहीं पता लग पाया है। इन दो वारदात से कुछ घंटे पहले आदर्श नगर थाना क्षेत्र में कुछ लोगों ने कल रात 50 वर्षीय व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी थी।

दिल्ली में रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात युवक का क्षत-विक्षत शव, आत्महत्या की आशंका

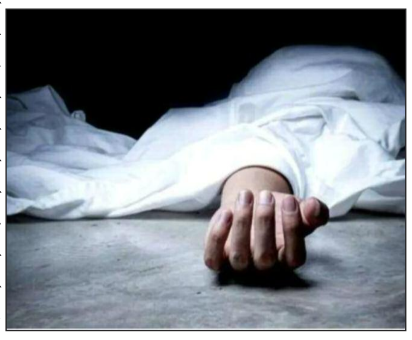

बाहरी दिल्ली। होलंबी कलां और नरेला रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर 31 दिसंबर की शाम एक युवक का शव संदिग्ध हालात में मिला है। शव की स्थिति को देखते हुए प्रारंभिक तौर पर आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मृतक के पास से न तो कोई सुसाइड नोट मिला है और न ही पहचान से संबंधित कोई दस्तावेज, जिससे उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। रेलवे पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ट्रेन चालकों से कर रही संपर्क जानकारी के मुताबिक 31 दिसंबर की शाम सूचना मिली थी कि रेलवे ट्रैक पर एक शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस ने देखा कि युवक का शव ट्रैक के बीच पड़ा था और उसका सिर बुरी तरह कुचला हुआ था। पुलिस ने शव की तलाशी ली, लेकिन कोई पहचान पत्र बरामद नहीं हुआ। घटना की गंभीरता को देखते हुए क्राइम टीम और फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीमों ने साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस अब यहां से गुरजने वाली ट्रेनों के चालकों से भी संपर्क कर रही है। नहीं हो सकी युवक की पहचान मृतक की पहचान के लिए दिल्ली के सभी थानों के साथ-साथ आसपास के राज्यों की पुलिस को भी सूचना दी गई है। इसके अलावा नजदीकी बस्तियों में पूछताछ की जा रही है, लेकिन एक जनवरी की देर रात तक युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि शिनाख्त होने के बाद ही घटना की पूरी सच्चाई सामने आ सकेगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

दिल्ली विधानसभा में बढ़ी बंदरों की संख्या, पीडब्ल्यूडी ने भगाने के लिए निकाला अनोखा तरीका; होंगी नई भर्तियां

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा परिसर में बंदरों की बढ़ती संख्या से हर कोई परेशान है। ये बंदर तारों पर कूदते हैं, डिश एंटीना तोड़ते हैं और कभी-कभी सदन के अंदर तक घुस आते हैं। इससे विधायकों, कर्मचारियों और विजिटर्स को काफी दिक्कत हो रही है। अब इस समस्या से निपटने के लिए विधानसभा एक अनोखा प्लान बना रही है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने टेंडर निकाला है, जिसमें ऐसे लोगों को हायर किया जाएगा जो लंगूर की आवाज की परफेक्ट नकल कर सकें। लंगूर बंदरों का प्राकृतिक दुश्मन होता है, इसलिए उसकी आवाज सुनकर छोटे बंदर डरकर भाग जाते हैं। यह तरीका पूरी तरह मानवीय है और बंदरों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। पहले लंगूर के कटआउट लगाने की कोशिश की गई थी, लेकिन बंदर अब उनसे नहीं डरते झ्र बल्कि उन पर बैठ जाते हैं। पहले भी ऐसे लंगूर-मिमिक लोग तैनात थे, लेकिन उनका कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया। अब नए सिरे से टेंडर जारी हुआ है। ये लोग काम के दिनों और शनिवार को आठ-आठ घंटे की शिफ्ट में तैनात रहेंगे। एजेंसी को सुरक्षा नियमों का पालन, बीमा और परफॉर्मेंस मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी भी दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि साल 2017 में एक बंदर विधानसभा सदन में घुस आया था और चर्चा में खलल डाल दिया था। उम्मीद है, यह नया प्लान बंदरों की समस्या को कंट्रोल करेगा।

फ्लैट में मिला महिला का शव, कमरे से बरामद नहीं हुआ सुसाइड नोट; मथुरा की रहने वाली थी रिया

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली के मुखर्जी नगर स्थित एक फ्लैट के कमरे में 31 दिसंबर की शाम संदिग्ध हालात में फंदे से लटका एक महिला का शव मिला है। सूचना पर पहुंची मुखर्जी नगर थाना पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई। शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान 27 वर्षीय रिया चौधरी के रूप में हुई है। जो उत्तर प्रदेश के मथुरा की रहने वाली थी। पुलिस जांच में पता चला कि मृतका शादीशुदा थी, चार वर्ष का एक बेटा भी है। जो बीते तीन सालों से पति से अलग रह रही थी। यहां एक पुरुष दोस्त के कमरे में तीन दिनों से रुकी थी। पुलिस का कहना है कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुखर्जी नगर स्थित इस फ्लैट में महिला तीन दिनों से रह रही थी। यह फ्लैट मथुरा के रहने वाले एक छात्र ने किराया पर लिया हुआ है, जो यहां रहकर एसएससी की तैयारी करता है। दोनों एक दूसरे को पहले से जानते थे। दोनों की दोस्ती फेसबुक के जरिए हुई थी। जांच के दौरान पता चला कि मृतका के दोस्त की दादी को कैंसर था। दादी की तबीयत खराब होने की वजह से दोस्त शनिवार को ही मथुरा चला गया था। 31 दिसंबर को दादी की मौत पर छात्र ने जब महिला को फोन किया तो, वह फोन नहीं उठा रही थी। ऐसे में युवक ने किसी दोस्त से कमरे पर जाकर महिला से बात कराने के लिए कहा। दोस्त के जाने पर पता चला कि कमरे का गेट अंदर से बंद है। गेट के ऊपर लगे शीशे से अंगर झांक कर देखा तो महिला फंदे से लटकी हुई थी। तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पाया कि फ्लैट का गेट अंदर से बंद है। एक कमरे में महिला फंदे से लटकी हुई है। इसकी जानकारी एफएसएल व क्राइम टीम को दी। सूचना पर पहुंची टीम ने कई साक्ष्य जुटाए हैं। महिला का मोबाइल फोन कब्जे में लेकर पुलिस जांच कर रही है। पुलिस युवक से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही है। वहीं, इस मामले में पुलिस आत्महत्या व हत्या के एंगल से भी जांच कर रही है।

नए साल पर खचाखच भरे दिल्ली के पर्यटन स्थल, एंट्री गेट करने पड़े बंद; लाल किला के पास कैसा था हाल?

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली में साल के पहले दिन पर्यटन स्थलों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। लोटस टेंपल, कुतुब मीनार, हुमांयू का मकबरा, लाल किला, इंडिया गेट आदि जगहों पर सुबह से ही परिवार और दोस्तों के साथ लोग नए साल का जश्न मनाने पहुंचने लगे थे। वहीं, दोपहर तक ज्यादातर पर्यटक स्थलों पर खासी भीड़ जुट गई थी। सभी जगहों पर भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस को खूब मशक्कत करनी पड़ी। कई जगह सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रखने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों की भी तैनाती रही। शीतलहर और कोहरा भी नए साल के जश्न को लेकर लोगों के उत्साह को कम नहीं कर सका। प्रमुख पर्यटन स्थल और पार्क दिनभर पर्यटकों से गुलजार रहे। कई पर्यटन स्थलों के अंदर और बाहर लोगों की भीड़ इतनी बढ़ गई कि पुलिस को प्रवेश द्वार बंद कर आवाजाही रोकनी पड़ी। लोटस टेंपल में पर्यटक भारी संख्या में जुटे थे। दोपहर तक लोटस टेंपल के अंदर और बाहर लोगों की भीड़ बढ़ गई। हालात देखते हुए करीब डेढ़ बजे प्रवेश बंद कर दिया गया। करीब आधे घंटे बाद भीड़ कम होने पर लोगों को दोबारा प्रवेश दिया गया। उधर, हुमांयू के मकबरे में भी यही हालात देखने को मिले। सुबह से ही यहां लोग पहुंचने लगे थे। खचाखच भीड़ होने पर शाम करीब चार बजे बाहरी प्रवेश द्वार बंद कर दिया गया। कुछ मिनट के बाद धीरे-धीरे लोगों को भीतर जाने की इजाजत दी गई। लाल किला, इंडिया गेट, चिड़ियाघर रहे गुलजार लाल किला परिसर में सुबह से ही पर्यटकों का तांता लगा रहा। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने प्रवेश और निकासी के लिए अलग-अलग द्वारों की व्यवस्था की थी। सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता रखने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों की कई टीमें भी तैनात रहीं। ठंड के बावजूद यमुना नदी और पुराने किले में नौका विहार का आनंद लेने के लिए सैलानियों की भारी भीड़ जमा थी। वहीं, इंडिया गेट पर पिकनिक मनाने के लिए खासी संख्या में लोग पहुंचे। दिल्ली चिड़ियाघर में भी खासी संख्या में लोग परिवार सहित पहुंचे। चिड़ियाघर के निदेशक संजीत कुमार ने बताया कि नववर्ष के अवसर पर करीब 25,111 पर्यटक पहुंचे थे। जंतर-मंतर पर 1144 लोगों ने शाम तक पहुंचकर नया साल मनाया। पार्कों में खूब दिखी रौनक नववर्ष पर पार्कों में भी खूब चहल-पहल दिखी। सराय काले खां स्थित वेस्ट टू वंडर पार्क में नववर्ष के पहले दिन लगभग 3020 लोग पहुंचे। उधर, पंजाबी बाग स्थित भारत दर्शन पार्क में करीब 2045 और नंदन वन पार्क में लगभग 700 लोग पहुंचे। इनके अलावा, लोधी गार्डन और डियर पार्क में भी दिनभर लोगों की भीड़ देखने को मिली। कुतुब मीनार में भी लोगों की खूब भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही कुतुब मीनार में जाने के लिए टिकट काउंटर पर लंबी लाइन लगी थी।

दिल्ली में कोहरा बना आफत, आज भी फ्लाइट्स और 45 से ज्यादा ट्रेनें लेट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कड़ाके की ठंड के बीच यात्रियों की परेशानी बनी हुई है। शुक्रवार को भी कोहरे की वजह से कई फ्लाइट्स और 45 से ज्यादा ट्रेनों में देरी देखने को मिली है। वह दिल्ली व देश के अन्य राज्यों में कोहरा पड़ने के कारण ट्रेनों की आवाजाही बुरी तरह से प्रभावित हुई है। शुक्रवार को भी दिल्ली आने वाली भुवनेश्वर राजधानी, रांची राजधानी सहित 45 से अधिक ट्रेनें दो घंटे से अधिक विलंब से चल रही हैं। कई ट्रेनों के प्रस्थान समय में बदलाव करना पड़ा है। नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर विशेष सवा छह घंटे, नई दिल्ली-सोगरिया (कोटा) सुपरफास्ट एक्सप्रेस-दो घंटे, नई दिल्ली-लखनऊ गोमती एक्सप्रेस डेढ़ घंटे के विलंब से चलेगी। शाम तक कुछ अन्य ट्रेनों के प्रस्थान समय में बदलाव होने की संभावना है। वहीं, लंबी दूरी की ट्रेनों के साथ ही कई लोकल ट्रेनें भी विलंब से चल रही हैं, जिससे सुबह अपने कार्यस्थल पर पहुंचने में लोगों को परेशानी हो रही है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की परेशानी कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। वंदे भारत ट्रेन के लिए अतिरिक्त कोच की व्यवस्था की गई है, जिससे कि इन्हें समय पर चलाया जा सके। इसके साथ ही कंट्रोल रूम बनाकर स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

दिल्ली में नए साल पर हुड़दंगियों पर कसा शिकंजा, पुलिस ने बॉर्डरों पर जब्त हुए 55 वाहन; 100 से ज्यादा के काटे चालान

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली में दक्षिण रेंज पुलिस ने नववर्ष पर शराब पीकर हुड़दंग करने वाले, स्टंटबाजी करने वालों पर शिकंजा कसा। सुरक्षा चौकसी के लिहाज फरीदाबाद-बदरपुर बॉर्डर, नोएडा कालिंदी कुंज बॉर्डर, गुरुग्राम दिल्ली बॉर्डर पर पुलिस की विशेष निगरानी थी। वाहनों की चेकिंग होती रही। दक्षिणी रेंज के दोनों जिलों की पुलिस ने 55 से ज्यादा ऐसे वाहन जब्त किए हैं, जो अपने दस्तावेज नहीं दिखा सके। इसके अलावा यातायात नियमों की अवहेलना करने पर 100 से ज्यादा चालान भी काटे गए हैं। बॉर्डर पर और प्रमुख मार्गों पर यातायात पुलिस एल्को मीटर लेकर वाहन चालकों का परीक्षण करती रही। बुधवार-बृहस्पतिवार की रात और बृहस्पतिवार शाम को भी शराब पीकर वाहन चलाने वालों की जांच की जाती रही। फरीदाबाद, कालिंदी कुंज, और गुरुग्राम दिल्ली बॉर्डर पर पुलिस ने अतिरिक्त चेकिंग पोस्ट लगाए और नशे में धुत वाहन चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने बाइक पर स्टंट करने वालों पर शिकंजा कसा। उधर, यातायात पुलिस को नववर्ष पर दिल्ली में उमड़ी भीड़ के चलते आउटर रिंग रोड, मथुरा रोड, कुतुब मीनार, छतरपुर से गुरुग्राम की तरफ जाने वाली सड़कों पर ट्रैफिक जाम रहा। कालकाजी मंदिर और लोटस टेंपल में अधिक भीड़ होने के कारण जब हालात बिगड़ने लगे तो पुलिस को हालात काबू करने के लिए हलका बल प्रयोग भी करना पड़ा।

शालीमार गार्डन में आवारा कुत्तों का आतंक, निवासियों ने नगर निगम से मांगी राहत

साहिबाबाद। शालीमार गार्डन एक्सटेंशन-वन की आस्था वेलफेयर सोसाइटी के लोग आवारा कुत्तों के आतंक से परेशान हैं। उनका कहना है कि कुत्ते अक्सर लोगों को काट रहे हैं और घायल कर रहे हैं। निवासियों ने इस समस्या की शिकायत करते हुए नगर निगम को पत्र लिखकर राहत की मांग की है। उन्होंने बताया कि कुत्तों के झुंड सोसाइटी के अंदर और बाहर दोनों जगह घूमते रहते हैं। कुछ लोग सोसाइटी के अंदर इन कुत्तों को खाना खिलाते हैं, जिसके बाद कुत्ते आने-जाने वालों पर हमला करते हैं। जब दूसरे लोग सोसाइटी के अंदर कुत्तों को खाना खिलाने का विरोध करते हैं, तो कुत्ते प्रेमियों से बहस हो जाती है। लोग अपने बच्चों को बाहर भेजने से भी डरते हैं। पिछले दो महीनों में 10 से ज्यादा लोगों को कुत्तों ने काटकर घायल किया है। ज्यादातर पीड़ित बच्चे और बुजुर्ग हैं। कॉलोनी के रहने वाले भूपेंद्र गोस्वामी का कहना है कि नगर निगम में बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई नसबंदी कार्यक्रम लागू नहीं किया गया है। कुछ महीने पहले, एक शिकायत के बाद, नगर निगम की टीम ने दो-तीन कुत्तों को पकड़ा था, लेकिन उसके बाद कोई कार्रवाई नहीं की गई। अब कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। कुत्तों की समस्या से राहत दिलाने की मांग करते हुए नगर निगम को फिर से एक पत्र भेजा गया है।

दिल्ली पुलिस ने लापता किशोरी और महिला को किया सकुशल बरामद, परिजनों ने ली राहत की सांस

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र चौकी पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत लापता किशोरी को बिहार और एक महिला को झारखंड से सकुशल बरामद कर लिया है। दोनों मामलों में दिल्ली पुलिस आयुक्त की ओर से 20-20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था पुलिस की इस सराहनीय कार्रवाई से परिजनों ने राहत की सांस ली है। यह सफलता तकनीकी इनपुट, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) की जांच और लोगों से पूछताछ के बाद मिली। उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि दोनों ही मामले में बरामदगी के लिए वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र चौकी इंचार्ज सब-इंस्पेक्टर रोहित चाहर, हेड कॉन्स्टेबल दर्वेश और पवन की एक टीम बनाई थी। जिसके बाद टीम ने कई दिनों की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को तलाशने में सफलता पाई। पहला मामला थाना अशोक विहार क्षेत्र का है। दो नवंबर 2024 को दीपक नामक व्यक्ति ने अपनी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री निशा के लापता होने की शिकायत चौकी में दर्ज कराई थी। परिजनों द्वारा रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में तलाश के बावजूद कोई सुराग नहीं मिल पाया था। मामले में थाना अशोक विहार में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने तकनीकी जांच और लगातार प्रयासों के बाद किशोरी को बिहार के बक्सर से सकुशल बरामद कर लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं, जांच के दौरान पता चला कि किशोरी के माता-पिता उसे बिहार से दिल्ली लेकर आ गए थे। वह यहां रहना नहीं चाहती थी। ऐसे वह यहां से नानी के घर बिहार स्थित बक्सर चली गई। नानी और उनके परिवार ने किसी ने भी यहां लड़की के माता-पिता को इसकी जानकारी नहीं दी थी। राज मिस्त्री के साथ हो गई थी फरार दूसरा मामला वर्ष 2022 का है, 18 अक्टूबर 2022 को रोशनी नामक महिला के लापता होने की सूचना थाना अशोक विहार में दर्ज की गई थी। लंबे समय तक कोई सुराग न मिलने पर एक नवंबर 2022 को महिला की तलाश के लिए 20 हजार का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण, स्थानीय खुफिया सूचना और झारखंड पुलिस के सहयोग से महिला को ग्राम बसुदेवपुर, थाना लोयाबाद, जिला धनबाद (झारखंड) से सकुशल बरामद कर लिया। वहीं, पुलिस जांच में पता चला कि महिला यहां वजीरपुर स्थित जेजे कालोनी में रहती थी। इसके यहां कोई राज मिस्त्री काम करने के लिए आया था। जिसके साथ वह फरार हो गई थी। वह उस व्यक्ति के साथ झारखंड में रहने लगी थी। मिस्त्री की जानकारी किसी के पास नहीं थी।

नए साल में हुआ क्लीन गुरुग्राम मिशन का शुभारंभ, स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने का लिया संकल्प

गुड़गांव, (ब्यूरो): केन्द्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य एवं पूर्व सांसद डॉ. सुधा यादव के नेतृत्व में नव वर्ष 2026 के अवसर पर गुरुग्राम को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया क्लीन गुरुग्राम मिशन की शुरूआत की गई है। मिशन के दूसरे दिन सेक्टर-56 स्थित एचएसवीपी मार्केट में सफाई अभियान चलाया गया। इसके तहत मार्केट की सफाई करने के साथ ही निवासियों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया। मेरा गुरुग्राम, स्वच्छ गुरुग्राम, मेरी जिम्मेदारी के संदेश के साथ चल रहे इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना है।इस 10 दिवसीय अभियान के तहत 1 जनवरी से लगातार सफाई एवं जागरूकता गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। मिशन का फोकस न केवल सार्वजनिक स्थलों की सफाई पर है, बल्कि लोगों को यह संदेश देना भी है कि शहर को स्वच्छ रखना केवल प्रशासन की ही नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस पर डॉ. सुधा यादव ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा होनी चाहिए। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने आसपास के क्षेत्रों को साफ रखें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। क्लीन गुरुग्राम मिशन के माध्यम से वर्ष 2026 को स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी के वर्ष के रूप में मनाने का संकल्प लिया गया है। अभियान का उद्देश्य गुरुग्राम को एक ऐसा शहर बनाना है, जहां स्वच्छता केवल सरकारी प्रयास न होकर नागरिकों की सामूहिक सोच और व्यवहार का हिस्सा बने। इस पहल से यह स्पष्ट संदेश दिया गया है कि स्वच्छ गुरुग्राम तभी संभव है, जब हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझे और स्वच्छता को अपना संकल्प बनाए।भाजपा के किसान मोर्चा के महामंत्री धर्मेंद्र तंवर ने इस अवसर पर कहा कि क्लीन गुरुग्राम मिशन के अंतर्गत स्वच्छता, सहभागिता, जिम्मेदारी को मूल मंत्र बनाया गया है। अभियान के माध्यम से नागरिकों से अपील की जा रही है कि वे खुले में कचरा न फैलाएं, कूड़े को निर्धारित स्थानों पर डालें और प्लास्टिक के उपयोग को कम करें। इसके साथ ही स्वच्छता से जुड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी लोगों को जोड़ा जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस अभियान का हिस्सा बन सकें। धर्मेंद्र तंवर ने कहा कि अभियान में जनप्रतिनिधियों युवाओं, सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और आम नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। विभिन्न इलाकों में लगाए गए बैनर और जागरूकता संदेशों के जरिए लोगों को शहर को साफ रखने का संकल्प दिलाया जा रहा है। जब तक आमजन स्वयं आगे आकर स्वच्छता को अपनी आदत नहीं बनाएंगे,

तब तक स्थायी बदलाव संभव नहीं है।

इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता तिलक राज मल्होत्रा, गुरुग्राम जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, निगम पार्षद सोनिया यादव, शैलेंद्र पांडे, अजीत वजीराबाद, प्रदीप चौधरी घाटा सहित नगर निगम गुरुग्राम के अधिकारी एवं स्वच्छता सैनिक व भारी संख्या में आसपास के नागरिक उपस्थित रहे।

अब गलत दिशा में चलाया वाहन तो दर्ज होगी FIR, साल 2025 में 2 लाख से ज्यादा वाहनों के काटे गए चालान

गुड़गांव : अगर आप भी गलत दिशा में वाहन चलाते हो तो सावधान हो जाओ। ऐसा न हो कि आपकी यह छोटी सी गलती आपको बड़ी मुसीबत में डाल दे। अब गुड़गांव ट्रैफिक पुलिस ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए गलत दिशा में वाहन चलाने वालों के खिलाफ केस दर्ज करने की तैयारी कर ली है। पुलिस ने गलत दिशा में वाहन चलाने के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को देखते हुए यह फैसला लिया है। पुलिस अधिकारियों की मानें तो साल 2025 में गलत दिशा में वाहन चलाने वाले 2 लाख से अधिक वाहन चालकों के चालान काटे गए हैं। डीसीपी राजेश मोहन के मुताबिक, इस कार्रवाई पर निगरानी के लिए एसीपी ट्रैफिक मुख्यालय सत्यपाल यादव की ड्यूटी लगाई गई है। साल 2025 में शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं हाईवे पर विशेष निगरानी रखते हुए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ प्रभावी गुरुग्राम पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए रांग साइड ड्राइविंग करने वाले कुल 2,03,936 वाहन चालकों के नियमानुसार चालान किए गए। यह आंकड़ा दशार्ता है कि गलत दिशा में वाहन चलाना सड़क दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण बना हुआ है, जिस पर नियंत्रण आवश्यक है।उन्होंने कहा कि गुरुग्राम पुलिस का मुख्य उद्देश्य शहर में यातायात का संचालन व्यवस्थित एवं सुगम बनाना है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और आम नागरिक सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। गलत लेन में वाहन चलाना, अचानक लेन बदलना एवं रोंग साइड ड्राइविंग न केवल स्वयं चालक के लिए, बल्कि अन्य सड़क उपयोगकताओं के लिए भी जानलेवा है।

यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए गुरुग्राम पुलिस द्वारा निरंतर जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

इसके अंतर्गत ट्रक यूनियन के प्रधानों एवं ड्राइवरों, कंपनियों के कर्मचारियों व ड्राइवरों, बस चालकों, स्कूल बस ड्राइवरों तथा ऑटो-रिक्शा चालकों के लिए यातायात जागरूकता पाठशालाएं आयोजित की जा रही हैं, ताकि उन्हें नियमों की जानकारी देकर सुरक्षित ड्राइविंग के लिए प्रेरित किया जा सके।

नूंह में महिला लापता, फोन भी आ रहा बंद, देर रात पुलिस को दी थी रेप की सूचना

नूंह : नूंह शहर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी से महिला के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। महिला ने बीती रात करीब 2 बजे पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर उसके साथ दुष्कर्म होने की सूचना दी थी। सूचना मिलने पर डायल-112 टीम और नूंह शहर थाना प्रभारी महिला के घर पहुंचे और उसके बयान दर्ज किए। पुलिस ने महिला को थाने आकर लिखित शिकायत देने को कहा, लेकिन वह सुबह थाने नहीं पहुंची। पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले की जानकारी मिलने पर महिला के परिजन और गांव के कई मौजिज लोग नूंह शहर थाने पहुंचे और महिला का इंतजार करते रहे, लेकिन वह शिकायत दर्ज कराने नहीं आई। इसके बाद परिजन काफी चिंतित हो गए। परिजनों के अनुसार सुबह करीब 9 बजे पीड़िता और उसके पति से फोन पर बात हुई थी। महिला ने कहा था कि वह बच्चों को छोड़कर जल्द थाने पहुंचेगी, लेकिन कुछ देर बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया और वह थाने नहीं पहुंची। पीड़िता के पिता ने आशंका जताई है कि उनकी बेटी को शिकायत दर्ज कराने से पहले ही किसी ने रास्ते से उठा लिया है। उन्होंने कहा कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि महिला के साथ किसने और क्या किया। परिवार ने पुलिस से महिला को जल्द तलाशने की मांग की है। नूंह शहर थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस रात करीब 2 बजे सूचना मिलने पर महिला के पास पहुंची थी और उसके बयान दर्ज किए गए थे। महिला ने सुबह थाने आने की बात कही थी, लेकिन वह नहीं आई। कई बार फोन करने के बावजूद उसका मोबाइल बंद आ रहा है। फिलहाल परिजनों की ओर से भी कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

फरीदाबाद में तेजधार हथियार से गोदकर व्यक्ति की हत्या, शराब पिलाने से मना करने पर दी दर्दनाक मौत

फरीदाबाद : फरीदाबाद के गांव बडौली में नए साल की रात एक व्यक्ति की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 50 वर्षीय मोहम्मद रिजवान के रूप में हुई है। रिजवान एक निजी कंपनी में मजदूरी करता था। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, मोहम्मद रिजवान नए साल के दिन रात को घर से चिकन लेने के लिए निकला था। इसी दौरान रास्ते में गांव के ही एक युवक ने उनसे शराब पिलाने की मांग की। रिजवान ने जब इनकार किया तो दोनों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर आरोपी युवक ने पास की चिकन की दुकान से चाकू उठाया और रिजवान पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर चोट लगने के कारण रिजवान की मौके पर ही मौत हो गई।मृतक के बेटे मोहम्मद एजाज ने बताया कि उनके पिता शांत स्वभाव के व्यक्ति थे और किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। हत्या के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बादशाह खान अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया गया है।

आरोपी की पहचान कर ली गई है- पुलिस पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल का कहना है कि आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसे जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। घटना के पीछे के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है।

प्रॉपर्टी टैक्स न भरने वाली 28 प्रॉपर्टी सील, 33 पर कार्रवाई की तैयारी

गुड़गांव, (ब्यूरो): नगर निगम गुरुग्राम क्षेत्र में प्रॉपर्टी टैक्स के डिफॉल्टर मालिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई शुक्रवार को भी जारी रही। इसके तहत जोन-1 क्षेत्र की निगम टीम ने सरस्वती इनकलेव में दो प्रॉपर्टीज को सील किया है। इन प्रॉपर्टीज पर क्रमशः 20,88,230 रुपये और 22,25,414 रुपये का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है।नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, टैक्स बकाया होने के बावजूद संबंधित प्रॉपर्टी मालिकों द्वारा निर्धारित समयावधि में भुगतान नहीं किया गया, जिसके चलते नियमानुसार सीलिंग की कार्रवाई अमल में लाई गई। निगम की यह कार्रवाई राजस्व वसूली को मजबूत करने और टैक्स अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है।15 दिनों में 28 प्रॉपर्टीज सील, आगे भी होगी कार्रवाई जोन-1 क्षेत्र में बीते 15 दिनों के भीतर कुल 28 डिफॉल्टर प्रॉपर्टीज को सील किया जा चुका है। इसके अलावा 33 अन्य प्रॉपर्टीज को चिन्हित कर लिया गया है, जिन पर शीघ्र ही सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। निगम द्वारा लगातार नोटिस जारी कर प्रॉपर्टी मालिकों को बकाया टैक्स जमा कराने के लिए चेतावनी दी जा रही है। आपत्तियां दर्ज, कुछ ने किया भुगतान

निगम अधिकारियों ने बताया कि नोटिस जारी होने के बाद 11 प्रॉपर्टी मालिकों ने अपने प्रॉपर्टी टैक्स डाटा में सुधार के लिए आपत्तियां दर्ज कराई हैं, जिनकी जांच की जा रही है। वहीं, सीलिंग कार्रवाई को देखते हुए 2 प्रॉपर्टी मालिकों ने अपना बकाया प्रॉपर्टी टैक्स जमा भी करा दिया है। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि प्रॉपर्टी टैक्स नगर निगम की आय का प्रमुख स्त्रोत है, जिससे शहर में नागरिक सुविधाओं और विकास कार्यों को गति मिलती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि टैक्स बकायेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और सभी प्रॉपर्टी मालिक समय पर अपना टैक्स जमा कर निगम के साथ सहयोग करें।

हरियाणा में 100 एमजी से ज्यादा पावर वाली पेनकिलर पर पूर्ण प्रतिबंध, बाजार में मिली तो होगी सख्त कार्रवाई

चंडीगढ़ : केंद्र सरकार के फैसले के बाद हरियाणा सरकार ने भी 100 मिलीग्राम से अधिक क्षमता वाली पेनकिलर दवा निमेसुलाइड के निर्माण, बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी है। इस संबंध में राज्य स्वास्थ्य विभाग ने औपचारिक आदेश जारी कर दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने बताया कि यह कदम आम जनता को दवा से होने वाले संभावित दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से उठाया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार जनस्वास्थ्य के मुद्दों पर कोई समझौता नहीं करेगी और लोगों की सेहत सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि दवाओं का उपयोग मरीजों को राहत देने के लिए किया जाता है, न कि उनके स्वास्थ्य को जोखिम में डालने के लिए। इसी को ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों की सलाह और केंद्र सरकार के निदेशों के अनुरूप यह निर्णय लिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने राज्यभर के दवा निमार्ताओं, थोक विक्रेताओं, केमिस्टों और मेडिकल स्टोर संचालकों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रतिबंध का सख्ती से पालन करें। आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

विभाग की ओर से यह भी कहा गया है कि दवा बाजार में प्रतिबंधित शक्ति की निमेसुलाइड उपलब्ध न रहे, इसके लिए नियमित जांच और निगरानी की जाएगी।

लोन दिलाने के नाम पर नामी कंपनी से करोड़ों की ठगी, तेलंगाना से दो साल बाद गिरफ्तार हुआ आरोपी

गुड़गांव, (ब्यूरो) : प्राइवेट लोन दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले एक रैकेट का गुड़गांव पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा-1 ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने स्वयं को एक सफल व संपन्न फाइनेंसर बताकर पीड़ित का विश्वास जीता और अग्रिम ब्याज के नाम पर मोटी रकम ठग ली। आरोपी की पहचान वेनम राजू के रूप में हुईपुलिस के मुताबिक, 27 सितंबर 2023 को आर्थिक अपराध शाखा-कने जांच के उपरांत एक शिकायत पुलिस थाना सदर को केस दर्ज करने के लिए भेजी थी। शिकायत में शिकायतकर्ता ने बताया कि यह ओरियंट क्राफ्ट स्वेटर्स लिमिटेड का मालिक है और गारमेंट्स का व्यवसाय करता है। इसके व्यवसाय में वित्तीय संकट के चलते यह ब्याज पर लोन की तलाश कर रहा था।25 मई 2023 को इसे तरुण मनचंदा नामक व्यक्ति का कॉल आया, जिसने स्वयं को हरियाणा के एक फाइनेंसर विक्रम तथा हैदराबाद के फाइनेंसर नितिन गर्ग से जुड़ा बताया। इसके पश्चात 27 मई 2023 को नितिन गर्ग, तरुण मनचंदा व विक्रम इसके कार्यालय पहुंचे, जिन्होंने इसे 6 प्रतिशत ब्याज दर पर 100 करोड़ रुपये तक का लोन दिलाने का आश्वासन दिया और इससे इसकी बैंक स्टेटमेंट, बायर प्रोजेक्शन आदि दस्तावेज मांगे तो 28 मई 2023 को इसने नितिन गर्ग को मांगे गए दस्तावेज सौंप दिए, फिर इसे हैदराबाद आकर मीटिंग करने के कहा तो यह 31 मई 2023 को नितिन व विक्रम के साथ हैदराबाद चला गया, जहां नितिन व विक्रम ने इसकी मुलाकात श्रीनिवास कंडोला से करवाई। जिन्होंने इसको 1 हजार करोड़ रुपये तक के लोन समझौते दिखाकर इसको प्रभावित किया और इसको दो प्रकार के लोन दिलाने का प्रस्ताव रखा। एक लोन 2 करोड़ 50 लाख रुपये का अल्पकालीन लोन व दूसरा 40 करोड़ रुपये का दीर्घकालिक लोन (05-07 वर्ष के लिए, 6 प्रतिशत ब्याज दर पर) बताया। आरोपियों ने शर्त रखी कि 40 करोड़ रुपये के लोन के लिए 02 करोड़ 50 लाख रुपये अग्रिम ब्याज के रूप में जमा करने होंगे। राशि का लेन-देन व ठगी 3, 5 एवं 6 जून 2023 को उक्त लोगों ने इसके बैंक खाते में 2 करोड़ 25 लाख 23 हजार रुपये ट्रांसफर कराए गए, जिससे इसका विश्वास और मजबूत हो गया। इसके बाद 15 जून 2023 को हैदराबाद के एक होटल में मीटिंग के दौरान इसको समझौते के अनुसार 4 करोड़ 70 लाख 23 हजार रुपये RTGS के माध्यम से उपरोक्त व्यक्तियों के बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए। रुपए ट्रांसफर होने के बाद उक्त व्यक्तियों ने यह कहकर मीटिंग स्थल छोड़ दिया कि 15 मिनट में 40 करोड़ रुपये इसके बैंक खाते में आ जाएंगे, लेकिन इसके बाद वो सभी फरार हो गए। इस प्रकार इससे 2 करोड़ 45 लाख रुपये की ठगी की गई।

शिकायत की जांच उपरान्त तथ्यों के आधार पर पुलिस थाना सदर, गुरुग्राम में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया तथा मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा-क, गुरुग्राम को सौंपी गई। मामले में कार्रवाई करते हुए आर्थिक अपराध शाखा ने तकनीकी जांच एवं पुलिस सूत्रों की सहायता से 30 दिसंबर 2025 को कोम्पल्ली, तेलंगाना से एक आरोपी को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान *वेनम राजू (उम्र-30 वर्ष, शिक्षा-MBA) निवासी लेजेंड कॉलेज के पास, कोम्पल्ली, जिला मलकानगिरी (तेलंगाना) के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय, मलकानगिरी में पेश करके 4 दिन के राहदारी रिमांड पर लिया गया। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि यह (आरोपी वेनम राजू) श्रीनिवास के साथ मिलकर फाइनेंस का काम करता है। इसने श्रीनिवास व अन्य साथियों के साथ मिलकर उपरोक्त अभियोग में शिकायतकर्ता को पहले अल्पकालीन लोन देकर विश्वास में लिया और बाद में 40 करोड़ रुपये के लोन का लालच देकर अग्रिम ब्याज के नाम पर 2 करोड़ 45 लाख रुपयों की ठगी कर ली।

ठगी गई राशि में से 50 लाख रुपये इसके (आरोपी वेनम राजू) बैंक खाते में ट्रांसफर हुए थे, जो इसके हिस्से की राशि थी। राहदारी रिमांड की अवधि पूर्ण होने के पश्चात आरोपी को न्यायालय में पेश करके पुलिस हिरासत रिमांड पर लिया जाएगा। पुलिस हिरासत के दौरान इसके अन्य फरार साथी आरोपियों की पहचान ठगी की गई राशि की बरामदगी संबंधित दस्तावेज व डिजिटल साक्ष्य अन्य संभावित ठगी मामलों की जांच की जाएगी। मामले की जांच की जा रही है।

खबर एक्सप्रेस

हिमाचल गया था परिवार, आकर देखा तो घर का मिला ऐसा हाल, बुलानी पड़ी पुलिस

पानीपत : प्रदेश में चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है जहां पानीपत के मलिक एनक्लेव इलाके में बंद मकान से अज्ञात चोरों ने नकदी और गहने चोरी कर लिए। वारदात के समय घर पर परिवार मौजूद नहीं था। पूरा परिवार हिमाचल प्रदेश गया था। वहां से वापस लौटे तो सारा सामान बिखरा पड़ा था। शिकायतकर्ता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वे बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश) में ट्रकों के स्पेयर पाट्र्स का व्यवसाय करते हैं। उनका परिवार 24 दिसंबर 2025 को घर को ताला लगाकर बिलासपुर चला गया था। 1 जनवरी 2026 की शाम वह परिवार सहित पानीपत स्थित अपने घर लौटे, तो उन्होंने देखा कि कमरे का सामान बिखरा हुआ था। जांच करने पर घर से 90,000 रुपए नकद, लगभग एक तोला सोना और दो चांदी के सिक्के गायब पाए गए। उन्होंने आशंका जताई कि चोरी किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा की गई है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है।

उनको हिंदुस्तान के लोकतंत्र में विश्वास नहीं रहा, युवाओं को भड़काने का कर रहे काम : विज

अंबाला : जेजेपी प्रमुख अजय सिंह चौटाला ने हाल ही में एक बयान दिया है जिसमें उन्होंने कहा है कि शासकों को गाड़ी से खींच कर सड़कों पर दौड़ा कर पीटने का काम करना पड़ेगा और इनको देश छोड़ने पर मजबूर करना पड़ेगा, जिस पर पलटवार करते हुए हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि अजय चौटाला के बयान का यह मतलब लग रहा है कि उनको हिंदुस्तान के लोकतंत्र में विश्वास नहीं रहा उनको अपनी राजनीतिक पार्टी में भरोसा नहीं रहा। इसलिए युवाओं को भड़काने का काम कर रहे हैं। उन्होंने अपने हाथ खड़े कर दिए हैं कि उनके बस का कुछ नहीं रहा है अब और दूसरों को भड़का रहे हैं। वहीं आईपीएल में शाहरुख खान की टीम केकेआर के लिए बांग्लादेशी खिलाड़ियों को खरीदा गया है जिसको लेकर हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बांग्लादेश जो कुछ हमारे साथ कर रहा है रोजाना हिंदुओं के साथ अत्याचार की खबरें आ रही है। ऐसे देश के साथ हमें किसी भी प्रकार का संबंध नहीं नहीं रखना चाहिए अगर कुछ लोगों ने वहां के खिलाड़ियों को खरीदा है इसका मतलब उनकी पैसे से मदद की है और यह बहुत गलत है।

पिस्तौल दिखाकर दुकानदार को लूटने का प्रयास, मुंह पर कपड़ा बांधकर आए 2 युवक

पानीपत : पानीपत के इसराना थाना क्षेत्र के गांव डाहर में एक दुकानदार को पिस्तौल दिखाकर लूटने का प्रयास किया गया। दो बाइक सवार युवकों ने इस घटना को अंजाम दिया, लेकिन दुकानदार के शोर मचाने पर वे अपनी बाइक छोड़कर फरार हो गए। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। घटना 31 दिसंबर दोपहर की की है। अशोक कुमार ने पुलिस को बताया कि उनकी बस अड्डे पर गुप्ता फैक्ट्री के सामने कॉस्मेटिक और अन्य सामान की दुकान है। वे अपनी दुकान से मजदूरों के पैसे ट्रांसफर करने का काम भी करते हैं। घटना के दिन वे दुकान पर बैठकर एक मजदूर के पैसे भेज रहे थे। तभी मुंह पर कपड़ा लपेटे दो युवक बाइक (नंबर HR 40 G 0536) पर आए। उन्होंने अशोक कुमार को पिस्तौल दिखाकर लूटने का प्रयास किया। अशोक कुमार ने तुरंत शोर मचाया, जिससे पास की फैक्ट्री से मजदूर दौड़कर मौके पर आ गए। भीड़ बढ़ती देख दोनों युवकों ने अपनी बाइक स्टार्ट करने की कोशिश की, लेकिन वह स्टार्ट नहीं हुई। इसके बाद वे बाइक वहीं छोड़कर पैदल ही गांव की तरफ भाग गए। उनकी पहचान नहीं हो पाई है। सूचना मिलने पर 112 नंबर की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बाइक को कब्जे में ले लिया। इसराना थाना पुलिस ने अशोक कुमार के बयान के आधार पर अज्ञात लुटेरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

न्यू ईयर पर कार सवारों की हाईवे पर स्टंटबाजी, खिड़की पर बैठकर बनाई रील्स

महेंद्रगढ़ : महेंद्रगढ़ से दादरी स्टेट हाईवे पर न्यू ईयर के दिन 2 कार सवार युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। युवकों ने न सिर्फ यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाईं, बल्कि अपनी जान के साथ-साथ सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा भी खतरे में डाल दी। रोड पर चल रहे वाहनों को कार सवारों ने साइड नहीं दी। जानकारी के अनुसार, 2 स्विफ्ट कारों में सवार युवक खिड़कियों से बाहर नियमों की धज्जियां उड़ाते नजर आए। युवक तेज स्पीड से चल रही कार से बाहर निकलकर रील्स बना रहे थे। यह स्टंट हाईवे पर काफी देर तक चलता रहा। इतना ही नहीं, दोनों कारों को हाइवे पर बराबर-बराबर चलाया गया, जिससे पीछे चल रहे अन्य वाहन चालकों को आगे निकलने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। इसपूरी घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसको पीछे कार में चल रहे राहगीरों ने रिकार्ड कर लिया, जिसमें युवकों की लापरवाही और स्टंटबाजी साफ तौर पर देखी जा सकती है।बताया जा रहा है कि यह मामला हाइवे से सटे गांव भुरजट के पास का है और घटना सुबह करीब ग्यारह बजे की है। अब सवाल यह है कि पुलिस ऐसे लापरवाह युवकों पर क्या कार्रवाई करती है, जो जश्न के नाम पर खुद के साथ-साथ दूसरों की जान को भी जोखिम में डाल रहे हैं।

इस जिले में सफाई कर्मचारियों ने शुरू की हड़ताल, कर्मचारी बोले- ठेकेदार के अंतर्गत रहकर नहीं करना काम

बहादुरगढ़ : बहादुरगढ़ शहर में सफाई व्यवस्था उस समय चरमरा गई जब नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल शुरू कर दी। सफाई कर्मचारी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए नगर परिषद कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि सफाई का टेंडर खत्म हो गया है। अब वे अब किसी भी हाल में ठेकेदार के अधीन काम नहीं करेंगे और नगर परिषद को अपने स्तर पर उन्हें काम देना चाहिए। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार ने पिछले तीन महीने से वेतन नहीं दिया, जिससे उनके सामने रोजमर्रा के खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि जब तक नगर परिषद उन्हें पक्की नौकरी नहीं देती, तब तक उनकी हड़ताल जारी रहेगी। वहीं इस मामले में नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी अरुण नांदल ने बताया कि कर्मचारियों को पक्का करने का अधिकार नगर परिषद के पास नहीं है। सफाई का टेंडर खत्म होने के बाद डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने के लिए उच्च अधिकारियों से अनुमति ली गई है। वेतन भुगतान के सवाल पर कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि ठेकेदार का बिल कल ही पोर्टल पर प्राप्त हुआ है और एक-दो दिन के भीतर पेमेंट अप्रूवल कमेटी की बैठक बुलाकर भुगतान की राशि जारी कर दी जाएगी। फिलहाल सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के चलते बहादुरगढ़ शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है और आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में देखना होगा कि आखिर कब तक इसका समाधान होता है।

जामनगर में एसओजी की बड़ी कार्रवाई : अवैध रूप से रह रहे 5 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

जामनगर (एजेंसी)। जामनगर में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से भारत में रह रहे पांच बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में दो पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं, जो शहर की पटेल कॉलोनी में किराए के मकान में रह रहे थे। जांच के दौरान इन आरोपियों के पास से पश्चिम बंगाल के आधार कार्ड बरामद हुए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ये सभी बिना पासपोर्ट, वीज़ा या भारत सरकार की किसी भी प्रकार की अनुमति के अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर यहां रह रहे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम शहाबुद्दीन मोहम्मद गौस शेख, महमद आरिफ मुजीबर शेख, जमिला बेगम अनारदी शेख, नजमा बेगम अब्दुलहकीम हाउलदार और मुर्सीदा बेगम महमद आरिफ मुजीबर शेख बताए गए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि ये सभी पटेल कॉलोनी की गली नंबर 11 में एक मकान किराए पर लेकर रह रहे हैं। सूचना के आधार पर एसओजी ने स्वस्तिक मार्बल के सामने स्थित गुलाम मयूदीन अब्दुलकरीम खान गागदाणी के मकान पर छापा मारा, जहां पांचों बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे पाए गए। सभी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एसओजी ने आरोपियों के खिलाफ पासपोर्ट अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही, अवैध नागरिकों को मकान किराए पर देने वाले मकान मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

महिला फांसी पर झूली, दहेज लोभियों पर मामला दर्ज

जबलपुर (एजेंसी)। थाना गढ़ा चौकी मेडिकल कॉलेज से 5 फरवरी 2025 को सूचना मिली कि ग्राम पौड़ी, थाना शहपुरा निवासी 22 वर्षीय एकता पटेल को 4 फरवरी को बेहोशी की हालत में मेडिकल कॉलेज लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक कार्रवाई के तहत पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और घटनास्थल थाना शहपुरा क्षेत्र में होने के कारण मर्ग डायरी अग्रिम जांच हेतु थाना शहपुरा स्थानांतरित की गई। जांच के दौरान मृतिका के माता-पिता और भाई ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि एकता पटेल की शादी जनवरी 2022 में ग्राम पौड़ी निवासी रोहित पटेल से हुई थी। अगस्त 2024 में रोहित पटेल द्वारा ट्रैक्टर खरीदने के लिए 50 हजार रुपये दहेज के रूप में मांगे गए। इसके अलावा ससुराल पक्ष द्वारा लगातार सोने-चांदी के गहने, आलमारी और सूटकेस की मांग कर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। परिजनों के अनुसार 4 फरवरी 2025 की दोपहर करीब 2:30 बजे एकता का भाई सिद्धांत पटेल उसके घर पहुंचा। कमरे का दरवाजा खोलने पर एकता घर के अंदर फांसी पर लटकी मिली। सूचना मिलने पर जेठ अभिनव पटेल और निखिल पटेल ने उसे फांसी से उतारकर कार से मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी माधुरी पटेल, पति रोहित पटेल, देवर आदर्श पटेल, जेठ अभिनव पटेल और निखिल पटेल के खिलाफ धारा 80(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

छपरा : नर्स अंजलि मौत मामला अभी भी रहस्यमय

पटना (एजेंसी)। बिहार के छपरा जंक्शन के पास रेलवे ट्रैक पर नर्स अंजलि का क्षत-विक्षत शव मिलने का मामला अब भी रहस्यमय बना हुआ है। अंजलि, जो छपरा के निजी अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत थी, 26 दिसंबर को रहस्यमय तरीके से लापता हो गई थी। उसके शव की खोज 27 दिसंबर को रेलवे ट्रैक पर हुई। परिजन घटना को हत्या मान रहे हैं और उन्होंने डॉक्टर पंकज कुमार, उनके सहयोगी अखिलेश कुमार और फिरोज केशर पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। परिजनों का कहना है कि डॉक्टर और उनके साथी अंजलि का दुष्कर्म करने के बाद शव को ट्रैक पर रखकर दुर्घटना का रूप देने की कोशिश कर रहे थे। इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच में पुलिस को अभी तक ठोस सुराग हाथ नहीं लगा हैं। हत्या है या आत्महत्या, यह सवाल जांच का केंद्र बना हुआ है। मामले की संवेदनशीलता को देखकर रेल आईजी पी. कन्नन ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। हालांकि रेल आईजी ने मीडिया से किसी प्रकार की जानकारी साझा नहीं की। जांच में देरी और अभी तक स्पष्ट परिणाम न मिलने के कारण अंजलि के परिजन काफी परेशान हैं और उनका धैर्य जवाब देने लगा है। इस प्रकरण ने न केवल लोगों को झकझोर कर रख दिया है, बल्कि प्रशासन पर भी दबाव बढ़ा दिया है। अभी तक इस मामले में कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है, और अंजलि की मौत के पीछे का सच परदे के पीछे ही बना हुआ है। जांच के अगले चरण और नए सुरागों पर सभी की नजरें टिकी हैं।

घने कोहरे के कारण लेट चल रही ट्रेन...स्टेशन पर यात्रियों को हो रही परेशानी

चंदौली (एजेंसी)। साल बदल गया लेकिन मौसम का मिजाज अभी भी नहीं नहीं बदला। हम बात कर रहे हैं घने कोहरे और ठंड की। बीते साल दिसंबर के दूसरे सप्ताह से जिस घने कोहरे की शुरुआत हुई थी। वह नए साल में भी बदस्तूर जारी दिख रहा है। इसके साथ ही घने कोहरे के चलते ट्रेनों के लेट चलने का सिलसिला जारी है। दिल्ली हावड़ा रेल रूट के सबसे व्यस्ततम रेलवे स्टेशनों में शुमार पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से होकर गुजरने वाली सियालदह राजधानी, भुवनेश्वर राजधानी, पटना राजधानी और हावड़ा राजधानी सहित पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, मगध एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस, दुरंतो एक्सप्रेस और ब्रह्मपुत्र मेल जैसी दर्जनों ट्रेनें अपने निर्धारित समय से कई-कई घंटे लेट चल रही हैं। वहीं शीतलहर और ठंड में ट्रेनों के इंतजार में यात्रियों का हाल बेहाल हो रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से गया जा रहे यात्री ने बताया कि उनकी ट्रेन 4 घंटे लेट हो गई है। ठंड और कोहरा बहुत ज्यादा है। इसकारण ट्रेन का इंतजार करना काफी मुश्किलभरा साबित हो रहा है। अरुणाचल प्रदेश के पर्यटक ने बताया कि अगरतला त्रिपुरा सुंदरी ट्रेन से हमें त्रिपुरा जाना है। ट्रेन बहुत ज्यादा लेट हो गई है। वहीं एक यात्री ने बताया कि हमें कोलकाता एक्सप्रेस से गया जाना है लेकिन ट्रेन 5 से 6 घंटे लेट चल रही है।

टायर फटने से पलटा पिकअप वाहन, तीन की मौत, एक घायल

बैंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के हासन जिले में गुरुवार को एक पिकअप वाहन का टायर फटने के बाद पलट जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। स्थानीय पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतकों की पहचान शब्बीर (55), तिम्मन्ना (53) और संजय (45) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि हादसे में घायल हासन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बांग्लादेश में रह रहे हिन्दुओं को अपनी नहीं भारत सरकार से उम्मीद... वे अपनी नीति बदले

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का जिस तरह से अमानवीय तरीके से उत्पीड़न किया जा रहा है, उसके लिए भी वहां रहने वाले हिंदुओं को भारत की नीति पर ही उम्मीद अटकी हुई है। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक नेताओं का दावा है कि वहां रहने वाले अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं की जान भी भारत की नीतियों पर निभर्र है। स्थिति ऐसी हो चुकी है कि इस साल बंगाल और असम में जो विधानसभा चुनाव होने हैं, उस लेकर भी वे सहमे हुए हैं और उन्हें इस बात की चिंता सता रही है कि भारत में हो रहे इन चुनावों का खामियाजा कहीं उन्हें न भुगतना पड़े। इसकारण वे बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार पर अपनी सुरक्षा के लिए दबाव बनाने के बजाए, भारत की बांग्लादेश नीति में परिवर्तन की गुहार लगा रहे हैं।

एक रिपोर्ट में बांग्लादेश माइनॉरिटी जनता पार्टी के अध्यक्ष ने बताया कि वहां बच गए अल्पसंख्यकों को अब अपनी सरकार से कोई उम्मीद नहीं है। उन्हें लगता है कि बांग्लादेश में उनके सुरक्षित रहने के लिए जरूरी है कि भारत की विदेश नीति बदल जाए, ताकि कट्टरपंथी मुसलमान उनके प्रति रहम दिखाना शुरू कर दें।

बांग्लादेश माइनॉरिटी जनता पार्टी के अध्यक्ष सुकृति कुमार मंडल ने आरोप लगाया है कि अवामी लीग की जिस शेख हसीना सरकार को पिछले साल मजहबी हुड़दंगियों की हिंसक भीड़ ने सत्ता से बेदखल किया, उसके कार्यकाल में हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा था। उन्होंने कहा है कि वहां हिंदुओं के जीवित बचे रहने के लिए अब राजनीतिक प्रतिनिधित्व अति आवश्यक हो चुका है, लेकिन बांग्लादेश में स्थिरता हो इसके लिए भारत की बांग्लादेश नीति में बदलाव की भी जरूरत पड़ेगी।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र मंडल के मुताबिक बांग्लादेश के ज्यादातर लोग, चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े हों, वे भारत के साथ अच्छा संबंध चाहते हैं और इस बात में भी कोई दो राय नहीं है कि इस क्षेत्र में भारत की भूमिका को कभी भी कमतर करके नहीं देखा जा सकता है। लेकिन, इसके साथ ही उनका दावा है कि भारत का अवामी लीग के अंध समर्थन ने भारत-विरोधी भावनाएं विकसित की हैं, जिससे जमीन पर भारत-विरोधी तत्वों को मदद मिल गई है।

उन्होंने कहा, हालांकि हमारा देश अभी उथल-पुथल की दौर से गुजर रहा है और यहां कोई औपचारिक सरकार भी नहीं है, यहां के हिंदुओं को लिए यह इसलिए भी और भयानक समय है क्योंकि पड़ोसी भारत के पश्चिम बंगाल और असम में चुनाव हैं। यह हमारे लिए यातनाओं का मौसम है। उन्होंने कहा, अगर भारत की मौजूदा सरकार भारत में चुनावों के लिए बांग्लादेशी हिंदुओं की दुर्दशा का राजनीतिक फायदा उठाने के लिए इस्तेमाल करना चाहती है, तब हम कुछ नहीं कर सकते, लेकिन लंबे समय में यह रवैया उल्टा पड़ेगा।

भूमाफिया पर सख्ती : बिहार में लालू यादव की संपत्तियों की जांच की मांग, गरमाई सियासत

पटना। बिहार में इन दिनों भू-माफिया और जमीन के अवैध कारोबार से जुड़े दलालों के खिलाफ सरकार का बेहद सख्त रुख देखने को मिल रहा है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की कमान संभालने के बाद उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने अधिकारियों और माफियाओं के गठजोड़ को तोड़ने के लिए एक आक्रामक अभियान छेड़ रखा है। इस अभियान के बीच अब राज्य की राजनीति में एक नया मोड़ आ गया है। सत्ताधारी दल जेडीयू ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की जमीन और संपत्तियों की गहन जांच कराने की मांग उठा दी है। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने इस संबंध में उपमुख्यमंत्री से त्वरित कदम उठाने की अपील की है, जिसके बाद बिहार का सियासी पारा अचानक बढ़ गया है। जेडीयू की इस मांग पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट किया है कि विभाग किसी भी प्रकार की शिकायत पर विचार करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यदि जेडीयू नेता उनके द्वारा आयोजित भूमि सुधार जनकल्याण संवाद कार्यक्रम में औपचारिक रूप से आवेदन देते हैं, तो सरकार और विभाग इस पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ विचार करेगा। सिन्हा ने जोर देकर कहा कि उनका यह अभियान किसी व्यक्ति विशेष या किसी राजनीतिक दल को निशाना बनाने के लिए नहीं है, बल्कि यह पूरे सिस्टम की खामियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई है। उन्होंने चेतावनी दी कि जमीन हड़पने वाले माफिया हों या उनसे सांठगांठ रखने वाले अधिकारी, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। यह राजनीतिक विवाद ऐसे समय में गहराया है जब उपमुख्यमंत्री खुद जिलों का दौरा कर जनसंवाद के माध्यम से आम जनता की जमीन संबंधी शिकायतों का मौके पर निपटारा कर रहे हैं। इसी दौरान जेडीयू नेता नीरज कुमार ने लालू परिवार की पटना और अन्य क्षेत्रों में स्थित संपत्तियों पर सवाल उठाते हुए जांच की आवश्यकता जताई है। जेडीयू का तर्क है कि जब सरकार जमीन माफिया के खिलाफ व्यापक मुहिम चला रही है, तो बड़े नेताओं की बेनामी या संदिग्ध संपत्तियों को जांच के दायरे से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए।

उत्तर भारत में भीषण ठंड और कोहरे का प्रकोप: कई राज्यों में स्कूलों की छुट्टियां घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में नए साल का आगमन कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के साथ हुआ है। जनवरी की शुरुआत होते ही समूचा उत्तर और उत्तर-मध्य भारत शीत लहर की चपेट में है। वर्तमान स्थिति यह है कि कई क्षेत्रों में दृश्यता (विजिबिलिटी) शून्य तक पहुँच गई है, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हुआ है। इस भीषण मौसमी स्थिति का सबसे अधिक प्रभाव स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है, जिन्हें सुबह के घने कोहरे और ठिठुरन में स्कूल जाने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न राज्य सरकारों और जिला प्रशासनों ने स्कूलों को बंद करने या उनके समय में परिवर्तन करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

आज, 2 जनवरी 2026 को उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब सहित कई राज्यों में प्राथमिक से लेकर माध्यमिक स्तर तक के स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, कानपुर, आगरा और वाराणसी जैसे प्रमुख शहरों में जिलाधिकारियों ने कक्षा 8 तक के स्कूलों को बंद रखने के निर्देश दिए हैं। वहीं, नोएडा और गाजियाबाद जैसे दिल्ली से सटे इलाकों में स्कूलों को सुबह 10 बजे के बाद खोलने या ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने का विकल्प दिया गया है। यह आदेश सरकारी और निजी दोनों तरह के शिक्षण संस्थानों पर समान रूप से लागू है।

राजस्थान में भी स्थिति गंभीर बनी हुई है। शेखावाटी अंचल और उत्तरी जिलों जैसे बीकानेर और चूरू में तापमान शून्य डिग्री के करीब पहुंच गया है। राजधानी जयपुर सहित अन्य जिलों में शीतकालीन अवकाश को 5 जनवरी तक बढ़ा दिया गया है, ताकि छोटे बच्चों को जमा देने वाली ठंड से बचाया जा सके। हरियाणा सरकार ने और भी कड़ा कदम उठाते हुए राज्य के सभी स्कूलों में 15 जनवरी 2026 तक सर्दियों की छुट्टियों की घोषणा कर दी है। पंजाब में भी इसी तर्ज पर प्राथमिक विद्यालयों को बंद रखा गया है, जबकि बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए कक्षा 9 से 12 तक के लिए समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक तय किया गया है।

सियासी फेरबदल: बंगाल में अकेले चुनाव मैदान में उतर सकती है कांग्रेस !

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सियासत में बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है। कांग्रेस पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में वाम मोर्चे से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने पर गंभीरता से विचार कर रही है। पार्टी के भीतर इसे लेकर मंथन तेज हो गया है और संकेत मिल रहे हैं कि कांग्रेस अब अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को फिर से मज़बूत करने की रणनीति पर आगे बढ़ सकती है।

सूत्रों के अनुसार, पिछले चुनावों में वाम मोर्चे के साथ गठबंधन के बावजूद कांग्रेस को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। 2021 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और वाम मोर्चा दोनों ही खाता खोलने में नाकाम रहे थे, जिससे पार्टी के अंदर गठबंधन की उपयोगिता पर सवाल उठे।

कांग्रेस नेताओं का मानना है कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी लड़ाई के कारण तीसरे मोर्चे की राजनीति कमजोर हुई है। ऐसे में पार्टी अब जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत कर, अपने बलबूते जनता के बीच जाने की तैयारी कर रही है।पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि बंगाल में कांग्रेस की ऐतिहासिक भूमिका रही है और मतदाता आज भी एक वैकल्पिक राजनीतिक ताकत की तलाश में हैं। अकेले चुनाव लड़ने से पार्टी को अपनी नीतियों और विचारधारा को स्पष्ट रूप से जनता के सामने रखने का अवसर मिलेगा।

हालांकि, इस मुद्दे पर अंतिम फैसला पार्टी आलाकमान की मंजूरी के बाद ही लिया जाएगा। आने वाले दिनों में कांग्रेस की रणनीति बंगाल की राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकती है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, पश्चिम बंगाल में तृणमूल की साथ गठबंधन में जाने से केरल में वाम मोर्चे के साथ भिड़ने में मुश्किल होगी क्या? इस पर विमर्श चल रहा है। पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चे के साथ जाने पर लाभ हानि के गुणा भाग पर भी काम हो रहा है। केरल में वाम मोर्चे की अगुवाई वाली एलडीएफ और कांग्रेस की अगुवाई वाली यूडीएफ आमने सामने है। वाम दलों के साथ पश्चिम बंगाल चुनाव कांग्रेस ने 2016 में लड़ा था जिसमें कांग्रेस को 44 और वाम मोर्चा को 26 सीटें मिली थी। 2021 में गठबंधन के दोनों दलों को खाता खोलना भी भारी पड़ा था। भाजपा का सूबे में पूरी तरह अभ्युदय हो चुका था। 2016 में 3 सीटें हासिल करने वाली भाजपा 2021 के चुनाव में 77 सीटों पर फतह हासिल कर 38 फीसदी पाने का आश्चर्यजनक सफलता पाई थी।

अगले साल 2026 में पश्चिम बंगाल के चुनाव में कांग्रेस के अधिकांश नेता अकेले ही चुनावी मैदान में कूदने की रणनीति पर भी काम कर रहे हैं। एक नेता ने कहा, राज्य में कांग्रेस के पास खोने को कुछ नहीं। पाने को सबकुछ है। लेकिन विपक्षी गठबंधन की दुहाई देकर अन्य विपक्षी दलों ने तृणमूल के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने का दबाव बनाया हुआ है ताकि भाजपा के खिलाफ विपक्षी वोटों का बिखराव न हो।

दिल्ली में मर्डर: लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी, पुलिस की जांच पर उठे सवाल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली एक बार फिर गैंगवार और अंडरवर्ल्ड के साए में नजर आई। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में हुए वसीम हत्याकांड की जिम्मेदारी अब लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ली है। पोस्ट सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस की शुरुआती जांच और गैंग एंगल को लेकर सवाल उठने लगे हैं।गैंग की ओर से दावा किया गया है कि यह हत्या उत्तरी-पूर्वी दिल्ली के कुख्यात गैंगस्टर हाशिम बाबा के लिए करवाई गई, क्योंकि वसीम कथित तौर पर उसके खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रहा था। हालांकि पुलिस इससे पहले इस हत्याकांड को आपसी रंजिश का मामला बताते हुए दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर चुकी है।

मामला तब और गंभीर हो गया जब सोशल मीडिया पर एक पोस्ट सामने आई, जिसमें लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली। पोस्ट में लिखा गया कि वसीम गैंगस्टर हाशिम बाबा के खिलाफ बोल रहा था इसलिए उसे मारा गया। गैंग ने यह भी इशारा किया कि हत्या का आदेश तिहाड़ जेल से दिया गया। हालांकि पुलिस अभी इस

पोस्ट की सत्यता और इसके पीछे की मंशा की जांच कर रही है।

एसएचओ इंस्पेक्टर मनजीत तोमर के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय इनपुट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच तेज की। कुछ ही घंटों में पुलिस ने दो सगे भाइयों 26 वर्षीय शाकिर और 22 वर्षीय इस्लाम उर्फ बॉर्डर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने हत्या की बात कबूल करते हुए बताया कि वसीम के साथ उनका पहले से विवाद चल रहा था और उसी रंजिश में उस पर चाकू से हमला किया गया। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया गया।

पुलिस के सामने अब दो अलग-अलग दावे हैं। एक तरफ गिरफ्तार आरोपियों का आपसी रंजिश वाला कबूलनामा। दूसरी तरफ गैंग का दावा कि यह सुपारी किलिंग है।सूत्रों के मुताबिक, पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या आरोपी किसी बड़े गैंग के संपर्क में थे या गैंग सिर्फ खौफ फैलाने के लिए जिम्मेदारी ले रहा है।

क्या है मामला

30 और 31 दिसंबर की दरम्यानी रात शास्त्री पार्क स्थित जेपीसी अस्पताल से पुलिस को सूचना मिली कि चाकू से घायल एक युवक को लाया गया है। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 33 वर्षीय वसीम, निवासी बुलंद मस्जिद, शास्त्री पार्क के रूप में हुई। जांच में सामने आया कि वसीम पर डीडीए पार्क के पीछे बने लूप के पास चाकू से हमला किया गया था। घटना की सूचना मिलते ही शास्त्री पार्क थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम ने सबूत जुटाए।फिलहाल पुलिस सोशल मीडिया पोस्ट, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और जेल लिंक की गहराई से जांच कर रही है।

15 लोगों की मौत के लिए सत्ता का अहंकार और भ्रष्टाचार जिम्मेदार : जीतू पटवारी

भोपाल । मध्य प्रदेश के कारोबारी शहर इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों पर कांग्रेस ने फिर मोहन सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इन मौतों को सीधे तौर पर हत्या करार देकर प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। वहीं यूथ कांग्रेस ने इंदौर की घटना पर विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने कहा कि प्रदेश की मोहन सरकार की ओर से जो बयान आ रहे हैं, वह पूरे घटनाक्रम पर पर्दा डालने की कोशिश है। जहरीला पानी पीने से 15 लोगों की मौत हुई है, अगर इसके लिए किसी को दोषी ठहराया जाए, तब स्वाभाविक तौर पर इसके लिए सत्ता का अहंकार और भ्रष्टाचार सबसे घातक हथियार है। वहीं मोहन सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि अधिकारियों में और महापौर में समन्वय की कमी है और सीएम यादव ने भी कहा कि अधिकारियों की कमी है। वहीं, महापौर ने भी अधिकारियों द्वारा उनकी

बात न सुने जाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता पटवारी का आरोप है कि भाजपा अधिकारियों के सहारे अपने भ्रष्टाचार को छुपाना चाहती है। इतना ही नहीं अधिकारी भी भ्रष्टाचार के हिस्सेदार हैं, भाजपा नेता अधिकारियों को टारगेट कर रहे, ये अपने पाप को छुपा रहे हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने मंत्री विजयवर्गीय के इस्तीफे की मांग की है, उन्होंने कहा कि महापौर पर एफआईआर होना चाहिए। जो अधिकारी इसमें शामिल हैं उस पर एफआईआर होना चाहिए। इसके साथ गैर इरादतन हत्या का मामला भी दर्ज होना चाहिए।

कांग्रेस नेता पटवारी ने इंदौर की जरूरत और विकास पर होने वाले खर्च को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। उनका कहना है कि इंदौर जितना टैक्स देता है उसके मुताबिक इस क्षेत्र में विकास कार्य नहीं हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भोपाल की युवा कांग्रेस इकाई ने इंदौर की घटना के विरोध में अनोखा प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने छोटे तालाब के गंदे पानी में नाव पर बैठकर मंत्री विजयवर्गीय के पुतले को दूषित पानी पिलाया और उसी पानी में पुतले को डुबाकर विरोध जताया।

कर्नाटक सरकार के सर्वे में दावा-91 प्रतिशत ने माना चुनाव निष्पक्ष

-83 प्रतिशत जनता ने जताया ईवीएम पर भरोसा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा 2024 के लोकसभा चुनावों पर एक सर्वेक्षण कराया गया था, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर जनता का मजबूत विश्वास सामने आया है। इस सर्वेक्षण के अनुसार, कर्नाटक की 83 प्रतिशत जनता ने ईवीएम पर भरोसा जताया है। वहीं कर्नाटक सरकार एजेंसी की स्टडी में यह भी दावा किया गया है कि राज्य के 91 प्रतिशत लोग मानते हैं कि भारत में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए जाते हैं और ईवीएम सटीक नतीजे देती हैं। यह रिपोर्ट कर्नाटक मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन अथॉरिटी ने प्रकाशित की है। यह सर्वे ऐसे समय आया है, जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भाजपा पर कई राज्यों में 'वोट चोरी' का लगातार आरोप लगा रहे हैं। वे कर्नाटक के कलबुर्गी में भी वोट चोरी का दावा कर चुके हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है। ऐसे में भाजपा ने सर्वे रिपोर्ट को लेकर राहुल पर पलटवार किया है।

जानकारी के अनुसार, लोकसभा इलेक्शन 2024- इवैल्यूएशन ऑफ इंडलाइन सर्वे ऑफ नॉलेज, एटीट्यूट एंड प्रैक्टिस ऑफ सिटिजन्स नाम के इस सर्वे में 83.61 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे ईवीएम को विश्वसनीय मानते हैं। कुल मिलाकर, 69.39 प्रतिशत ने सहमति जताई कि ईवीएम मशीनें सटीक चुनाव परिणाम देती हैं, जबकि 14.22 प्रतिशत ने पूरी मजबूती के साथ यह विश्वास व्यक्त किया कि उन्हें ईवीएम पर भरोसा है।

कर्नाटक की 102 विधानसभाओं में हुआ सर्वे

इस सर्वे में बेंगलुरु, बेलगावी, कलबुर्गी और मैसूरु के प्रशासनिक डिवीजनों में 102 विधानसभा क्षेत्रों के 5,100 उत्तरदाताओं ने भाग लिया। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी। अंबुकुमार के माध्यम से इस सर्वे को कराया था। डिवीजन-वार आंकड़ों में कलबुर्गी में सबसे ज्यादा विश्वास दिखा, जहां 83.24 प्रतिशत ने सहमति और 11.24 प्रतिशत ने पूरी सहमति जताई कि ईवीएम विश्वसनीय हैं। मैसूरु में 70.67 प्रतिशत लोगों ने ईवीएम में अपनी विश्वसनीयता प्रकट की, और 17.92 प्रतिशत ने मजबूती के साथ ईवीएम में विश्वास होने का दावा किया। बेलगावी में 63.90 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने ईवीएम को विश्वसनीय बताया और 21.43 प्रतिशत ने मजबूती के साथ ईवीएम में अपनी विश्वसनीयता प्रकट की। बेंगलुरु डिवीजन में यह आंकड़ा 63.67 प्रतिशत और 9.28 प्रतिशत रहा। बता दें कि ये नतीजे कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उन दावों के बिल्कुल उलट हैं, जिनमें वह चुनावों में कथित ईवीएम हेरफेर और वोट चोरी के आरोप लगाकर बीजेपी और निर्वाचन आयोग पर बार-बार हमला बोलते हैं।

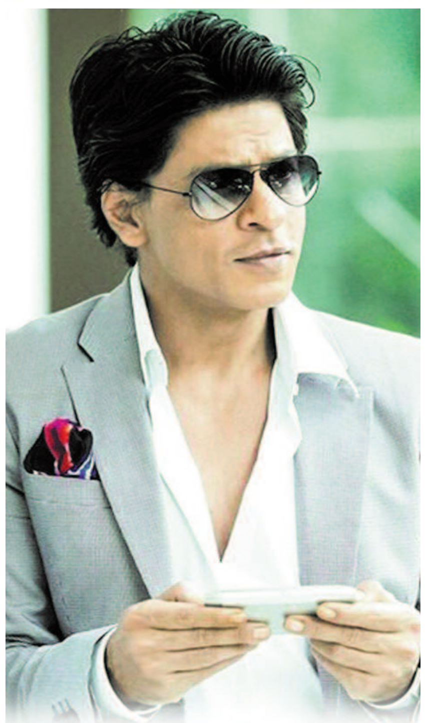

नए साल पर 'किंग' को लेकर शाहरुख खान देंगे बड़ा तोहफा!

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान अपनी आगामी फिल्म 'किंग' की तैयारियों में लगे हुए हैं। 'किंग' को साल 2026 में रिलीज होने वाली सबसे बड़ी फिल्मों में से एक माना जा रहा है। हालांकि, अभी तक फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि फिल्म 2026 में रिलीज हो सकती है। इस बीच अब शाहरुख खान को रिकॉर्डिंग स्टूडियो जाते देखा गया। जिसके बाद फैंस में 'किंग' को लेकर एक बार फिर उत्साह बढ़ गया है। फैंस ऐसी उम्मीद जता रहे हैं कि नए साल पर 'किंग' को लेकर कोई सरप्राइज मिल सकता है।

'किंग' पर काम कर रहे शाहरुख वायरल हुई तस्वीरों और वीडियोज में शाहरुख को फिटेड सफेद टी-शर्ट और कार्गो पैंट पहने, सिर पर बीनी टोपी लगाए देखा गया। स्टूडियो में अंदर जाते समय उन्होंने सनग्लासेस पहने हुए थे। हालांकि, अभिनेता क्या रिकॉर्ड कर रहे थे, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन उनके स्टूडियो में आने के समय को देखते हुए प्रशंसकों का मानना है कि वो अपनी आगामी फिल्म 'किंग' के पोस्ट-प्रोडक्शन क्लिप पर काम कर रहे होंगे। हालांकि, इस दौरान सुरक्षाकर्मियों ने शाहरुख को पैपराजी से बचान का प्रयास किया और उनके सामने छाता लगाया। लेकिन शाहरुख की झलक कैमरे में कैद हो गई। अब फैंस को उम्मीद है कि नए साल पर उन्हें शाहरुख की तरफ से 'किंग' से जुड़ा कोई सरप्राइज मिल सकता है।

शाहरुख के बर्थडे पर सामने आया था फर्स्ट लुक

पिछले महीने शाहरुख खान के जन्मदिन के मौके पर मेकर्स ने 'किंग' से शाहरुख के लुक की झलक दिखाई थी। इस फर्स्ट लुक में शाहरुख एक्शन अवतार में काफी डैशिंग लग रहे थे। इसके सामने आने के बाद फैंस फिल्म को लेकर और भी उत्साहित हैं। हालांकि, इसके बाद से किंग को लेकर मेकर्स की ओर से कोई अपडेट नहीं आया है। अब फैंस ऐसी उम्मीद लगा रहे हैं कि अगली बड़ी घोषणा नए साल के दिन हो सकती है।

सिद्धार्थ ने भी दिया था हिंट

शाहरुख खान को स्टूडियो में देखे जाने से एक दिन पहले फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने एक शेर के मोहरे की तस्वीर साझा की थी, जिसके सिर पर मुकुट था। अब शाहरुख को रिकॉर्डिंग स्टूडियो में देखकर फैंस ऐसी अटकलें लगा रहे हैं कि मेकर्स मोशन पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर सकते हैं।

अब मैं एक साथ 2 से 3 फिल्में नहीं करना चाहती

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने 14 अप्रैल 2022 को मुंबई में अपने घर वास्तु में एक अंतरंग समारोह में शादी की थी। इसके बाद 6 नवंबर 2022 को आलिया ने राहा को जन्म दिया। बेटी के जन्म के बाद से ही आलिया भट्ट ने अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर कुछ बदलाव किए हैं, जिनके बारे में आलिया ने खुलकर बात की।

राहा के जन्म के बाद आलिया ने किए कई बदलाव

हाल ही में ईटाइम्स को दिए इंटरव्यू में आलिया भट्ट ने बताया कि 2022 में बेटी राहा के जन्म के बाद उन्होंने काम की रफ्तार धीमी कर दी, लेकिन फिल्मों से उनका प्यार वैसा ही है। आलिया ने कहा कि मां बनने से उनके काम करने का तरीका बदल गया है। उन्होंने बताया, अब मेरे काम की मात्रा और स्पीड अलग है क्योंकि मेरी एक बेटी है। लेकिन यह रफ्तार आरामदायक है और मैं इससे खुश हूं। मुझे एक समय में एक फिल्म करना और उसमें पूरी एनर्जी लगाना अच्छा लगता है। पहले मैं एक साथ दो-तीन फिल्में करती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं करना चाहती।

अल्फा को लेकर आलिया की राय

मां बनने के बाद एक्शन फिल्म अल्फा की शूटिंग के बारे में आलिया ने कहा, बच्चे के जन्म के बाद एक्शन करना बहुत मजेदार था। इससे मुझे पता चला कि मेरा शरीर क्या कर सकता है। यह एक सीख देने वाला अनुभव था और इसने मुझे अपने शरीर का बहुत सम्मान करना सिखाया।

आलिया का वर्कफ्रंट

आलिया के पास दो बड़ी फिल्में हैं। शिव रावैल की अल्फा में वे एक्शन से भरी भूमिका में नजर आएंगी। यह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म है, जिसमें शरवरी और बॉबी देओल भी हैं। फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इसके अलावा, संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर में आलिया दिखेंगी। इसमें रणबीर कपूर और विक्की कौशल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म भी 2026 में आएगी।

हिंदी में इस वजह से बात नहीं करते मिराय स्टार तेजा सज्जा

फिल्म हनु मान और मिराय में बेहतरीन अदाकारी करने को लेकर साउथ के स्टार तेजा सज्जा सुर्खियों में हैं। यह माना जाता है कि साउथ के कलाकारों को हिंदी डायलॉग बोलते समय उनके एक्सेंट को लेकर ऑनलाइन मजाक उड़ाया जाता है। ऐसे में तेजा सज्जा ने हिंदी बोलने पर और बॉलीवुड में काम करने को लेकर अपने विचार रखे हैं। उन्होंने कहा मैं इंग्लिश में बात कर रहा हूं, क्योंकि मेरी हिंदी में हैदराबादी स्लैंग आ जाता है। अगर हिंदी बोलेंगे तो ट्रोलिंग का शिकार हो जाएंगे, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा नहीं मैं ट्रोलिंग को सीरियसली नहीं लेता। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। बातचीत के दौरान उन्होंने बॉलीवुड में काम करने के बारे में भी बात की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में फिल्म निर्माता करण जौहर के लिए एक संदेश दिया। उन्होंने हंसते हुए कहा जब भी आप करण सर से मिलें, उनसे पूछिएगा कि वह तेजा को एक धर्मा प्रोडक्शन की लव स्टोरी में कब कास्ट कर रहे हैं। मैं भी वो अनुभव लेना चाहूंगा।

मैं नहीं चाहती कि हॉलीवुड प्रोजेक्ट की वजह से करियर खतरे में पड़ जाए

अभिनेत्री त्रिधा चौधरी हाल ही में फिल्म 'किस किस को प्यार करूं-2' में नजर आई थीं। अभिनेत्री ने हाल ही में बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपनी जिंदगी और करियर के बारे में खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि वह अलग-अलग फिल्म को बहुत सोच समझकर चुनती हैं। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा कि हॉलीवुड से एक अच्छा ऑफर मिला था, लेकिन बोल्ड सीन्स करने से उन्हें बाकी जगह से ऑफर ठुकरा दिए जाते। अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे अच्छी तरह से पता था कि ऐसे सीन करने से मेरा भविष्य प्रभावित हो सकता है। खासकर बॉलीवुड और अन्य भारतीय इंडस्ट्री में मौके कम हो जाते हैं। अभिनेत्री ने समझाया कि बोल्ड सीन करने से उन्हें एक खास तरह की इमेज मिल जाती है। इससे कई अच्छे प्रोजेक्ट्स हाथ से निकल सकते थे। वे नहीं चाहती थीं कि एक प्रोजेक्ट की वजह से उनका लंबे समय का करियर खतरे में पड़ जाए। उन्होंने कहा, 'अगर मैं हॉलीवुड में एक ऐसा प्रोजेक्ट करती, जिसमें बोल्ड सीन्स होते, तो इससे मेरे कई अन्य प्रोजेक्ट्स रुक जाते हैं। मुझे यह पहले से पता था। यही वजह थी कि मैंने पहले से हॉलीवुड में कदम रख लिया है, तो अलग तरीके से आगे बढ़ सकती हूं, लेकिन सिर्फ एक प्रोजेक्ट के लिए बॉलीवुड या कहीं और का अपना लंबा सफर जोखिम में नहीं डालूंगी।' त्रिधा हाल ही में कपिल शर्मा की फिल्म किस किस को प्यार करूं-2 में नजर आई थी। फिल्म में कपिल और त्रिधा के अलावा, आयशा खान, पारुल गुलाटी और हीरा वरीना मुख्य भूमिका में नजर आए थे। अखिलेंद्र मिश्रा कपिल शर्मा के पिता के रोल में हैं। उन्होंने फिल्म के सबसे मजेदार पल दिए हैं। वहीं, फिल्म को वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट और अब्बास-मस्तान ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसमें हंसी, मस्ती, दोस्ती और खुशियों से भरे पल शामिल हैं।

तारा सुतारिया के खिलाफ चलाया गया नेगेटिव कैंपेन? अभिनेत्री ने लगाया जबरदस्ती नाम जोड़ने का आरोप

बॉलीवुड और डिजिटल दुनिया में इन दिनों पेड पीआर और ऑनलाइन ट्रोलिंग को लेकर बहस तेज हो गई है। इस बहस के केंद्र में आ गई हैं अभिनेत्री तारा सुतारिया, जिन्होंने खुलकर आरोप लगाया है कि उनके खिलाफ एक सोची-समझी नेगेटिव पीआर मुहिम चलाई जा रही है। तारा का कहना है कि उनकी छवि और निजी रिश्तों को नुकसान पहुंचाने के लिए संगठित तरीके से कंटेंट तैयार करवाया गया और सोशल मीडिया पर फैलाया गया।

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ने किया दावा

पूरा मामला तब सामने आया जब एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ने दावा किया कि उसे तारा सुतारिया और मशहूर सिंगर एपी ढिल्लों के खिलाफ वीडियो बनाने के लिए पैसे ऑफर किए गए थे। इस वीडियो को तारा ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया और साफ शब्दों में कहा कि यह सब एक पेड कैंपेन का हिस्सा है, जिसका मकसद उनके करियर और पर्सनल लाइफ को नुकसान पहुंचाना है।

तारा ने इशारों-इशारों में उन लोगों पर निशाना साधा, जो पर्दे के पीछे रहकर ऐसी साजिशें रचते हैं। उन्होंने कहा कि कंटेंट क्रिएटर्स और मीम पेजों को पहले से तय शब्द, कैप्शन और बातें भेजी गईं ताकि हर जगह एक जैसी नकारात्मक बातें फैलाई जा सकें। उनका यह भी कहना था कि यह कोई सामान्य आलोचना नहीं, बल्कि पूरी तरह प्लान की गई बदनाम करने की कोशिश है।

बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया ने किया समर्थन

इस पूरे विवाद में तारा को वीर का साथ मिला है। उनके बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया ने सार्वजनिक तौर पर समर्थन जताते हुए कहा कि वह हर हाल में तारा के साथ खड़े हैं। वहीं, एपी ढिल्लों ने भी हल्के-फुल्के अंदाज में प्रतिक्रिया देकर यह संकेत दिया कि वह इन आरोपों को गंभीरता से नहीं ले रहे, लेकिन मामला जितना दिखता है, उससे कहीं ज्यादा गहरा है। जिस इंफ्लुएंसर ने यह खुलासा किया, उसका कहना है कि कई अकाउंट्स पर एक जैसे कमेंट्स और आरोप नजर आ रहे थे। इससे साफ होता है कि यह सब अचानक नहीं, बल्कि रणनीति के तहत किया गया। इंफ्लुएंसर ने दावा किया कि इस मुहिम को बाहर से देखने पर ऐसा दिखाया गया जैसे निशाना एपी ढिल्लों हों, लेकिन असल में सबसे ज्यादा नुकसान तारा सुतारिया को पहुंचाने की कोशिश की गई।

अकेली हूं पर कोई बेचैनी नहीं

चित्रांगदा सिंह ने साल 2005 में हजारों ख्वाहिशें ऐसी से फिल्मों में डेब्यू किया। अपने करियर की शुरुआत से ही जोधपुर में पैदा हुई इस हसीना ने इंडस्ट्री में अपने अभिनय का सिक्का जमाया। अर्थपूर्ण भूमिकाओं को तरजीह दी। ये साली जिंदगी, इनकार, साहब बीवी गैंगस्टर 3 जैसी फिल्मों में उनके काम की खूब सराहना हुई। लेकिन उनके करियर का सबसे मुश्किल दौर वो था, जब सात साल के अंतराल के बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कमबैक किया। इस साल 2025 में वह बैक टू बैक खाकी - द बंगाल चैप्टर, हाउसफुल 5 और हालिया रिलीज रात अकेली है - द बंसल मर्डर्स से चर्चा में हैं। इसके अलावा चित्रांगदा नए साल में सलमान खान के साथ बैटल ऑफ गलवान में नजर आने वाली हैं।

बतौर एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह 2026 को उम्मीदों से देख रही हैं। खास बातचीत में उन्होंने क्वालिटी ओवर क्वांटिटी, सोशल मीडिया वैलिडेशन, सिंगल पैरेंटिंग से लेकर इंडस्ट्री में महिलाओं के ऊपर रहने वाले दबाव पर भी खुलकर बात की है।

आपका करियर कभी भी पारंपरिक नहीं रहा, तो क्या आपने जानबूझकर क्वालिटी ओवर क्वांटिटी चुना?

किसी भी कलाकार के जीवन में किस्मत का बहुत बड़ा हाथ होता है। उसे किस तरह के रोल मिलेंगे, वो उसके बस में नहीं होता। कई बार काम आपको चुनता है, आप उसे नहीं। मुझसे सुधीर (फिल्मकार सुधीर मिश्रा) हमेशा कहते हैं कि किसी भी किरदार के जो ग्रे एरिया हैं, उन्हें तुम बखूबी जस्टिफाई कर पाती हो। यही वजह है कि तुम चरित्र की कमियों को बहुत ही मजबूती से निभा पाती हो। मेरे कहने का मतलब ये है कि मेकर्स ने मुझमें वो बात देखी और मुझे उसी तरह के रोल दिए। कई बार मेरे पास ऐसा काम आया है, जो मुझे सूट नहीं हुआ और मैंने मना कर दिया, आपका अपना व्यक्तित्व भी होता है, जिसमें आप खुद को पूरी तरह से बदल कर कोई दूसरा नहीं बन सकते।

फिल्म इंडस्ट्री में उम्र को लेकर महिलाओं पर ज्यादा दबाव क्यों रहता है?

वो कहावत है न कि महिलाएं अपनी ब्यूटी और पुरुष अपने स्कार्स के लिए जाने जाते हैं। फिर ये उम्र वाली समस्या आज की नहीं है, सदियों पुरानी है। मगर आज उसमें भी बदलाव आया है। आज आप एक यंग 18 साल की लड़की के रोल के लिए एक पर्टिकुलर ऐज ग्रुप वाली लड़की को ही चुन पाएंगे, मगर यदि आपको कोई मैच्योर कहानी लिखनी हो तो उसमें आपको मैच्योर एक्ट्रेस की जरूरत पड़ेगी। मगर अब वो बदलाव भी आ रहा है, क्योंकि अब दर्शक मैच्योर कहानियों और परफॉर्मेंस देखने के इच्छुक हैं, तो अब अभिनेत्रियों के लिए उम्र से परे सशक्त रोल लिखे जा रहे हैं, मगर उम्र का दबाव अभिनेत्रियों पर हमेशा से रहा है और ये हमारे समाज की ही देन है।

आपने पर्दे पर हमेशा ही महिलाओं को मुखर करने वाले किरदार निभाए हैं, आपको अपने आस-पास महिलाओं से जुड़ी सबसे ज्यादा कौन-सी बात सताती है?

सच कहूं, तो मुझे लगता है कि आज महिलाओं को समानता के अधिकार मिल रहे हैं। जेंडर बायस भी लोग अब उतने नजर नहीं आते, तो आज हमें इस बदलाव की सराहना करनी चाहिए। इसकी आलोचना नहीं करनी चाहिए। इंडस्ट्री में ये बदलाव काफी बड़े पैमाने पर देखने को मिलता है, मगर हां कुछ एक बार मैंने ये देखा है कि लड़कियों को कोई काम इसलिए नहीं दिया जाता कि वो लड़कियां हैं। मुझे लगता है कि उसका एक कारण ये भी है कि औरतों को उस तरह की जिम्मेदारी दी ही नहीं गई है। उनको जितने मौके मिलेंगे, वो खुद को साबित करती जाएंगी। अब जैसे जब मैं प्रोड्यूसर बनी, तो लोगों का कहना था कि लो अब इनको प्रोड्यूसर बनना है। वे मुझे इस काबिल ही नहीं समझ रहे थे। मुझे बहुत बुरा लगा, मगर मैंने जब इस विषय पर सोचा तो मुझे लगा कि वाकई इंडस्ट्री में एक?ट्रेस से प्रोड्यूसर बनी महिलाएं गिनती की हैं, तो उनका सवाल भी जायज है कि ये निर्माण के क्षेत्र को संभाल पाएंगी या नहीं।

सोशल मीडिया वैलिडेशन आपके लिए कितना मायने रखता है?

मैं सोशल मीडिया की बहुत ज्यादा दीवानी नहीं हूं। मगर इतना जरूर कहना चाहूंगी कि आज सोशल मीडिया की जरूरत तो है। मेरे लिए सोशल मीडिया वैलिडेशन जरूरी नहीं है। मैं उसे रेस्पॉन्स तक ही सीमित रखती हूं। मैं सोशल मीडिया की प्रतिक्रियाओं पर नजर रखती हूं, मगर मेरी जिंदगी सोशल मीडिया पर ही निर्भर नहीं है। अब तो वो उत्साह भी खत्म हो गया है, जो पहले हुआ करता था कि कुछ पोस्ट करना है। अब ये मेरे काम का हिस्सा बन चुका है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।